सोमवार, 12 जनवरी 2026

मौसम

तापमान	13 – 24
आर्द्रता	58%
सूर्योदय: 06:19	सूर्यास्त: 17:10

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
Epaper.samagya.in
समाज्ञा

सभी प्रारूपों में सबसे तेज 28 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने कोहली पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, माघ कृष्णपक्ष नवमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : सुनने और सहने से कठिन होता है सबकुछ सुनकर सामान्य बने रहना।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें अब भी सक्रिय, उन्हें हराना जरूरी है : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ में 'शौर्य यात्रा' में भाग लिया

सोमनाथ (गुजरात) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आजादी के बाद गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें "हमारे बीच अब भी सक्रिय हैं" और भारत को उन्हें हराने के लिए सतर्क, एकजुट तथा शक्तिशाली बने रहने की जरूरत है। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में स्थित ऐतिहासिक मंदिर पर अतीत में हुए हमलों और हर बार इसके पुनर्निर्माण का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि लोगों का दिल तलवार की नोक पर कभी नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि सोमनाथ का 1,000 वर्षों का इतिहास विनाश और पराजय का नहीं, बल्कि विजय और पुनर्निर्माण का है। वह सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में आयोजित एक विशाल सभा को संबोधित कर रहे थे, जो भारतीय सभ्यता के लचीलेपन को चिह्नित करने के लिए यहां आयोजित किया गया था, जिसका प्रतीक सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण है, जिसे 1026 ईस्वी में महमूद गजनी के आक्रमण से शुरू होकर विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा बार-बार तबाह किया गया था। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के एक बयान के अनुसार, सदियों पहले इस मंदिर को नष्ट करने के कई बार प्रयास किए जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज विश्वास, साहस और राष्ट्रीय गर्व के

एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में खड़ा है। यह सब इसे इसकी प्राचीन महिमा में बहाल करने के सामूहिक संकल्प और प्रयासों के कारण संभव हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमले नफरत से प्रेरित थे, लेकिन इसे केवल लूटपाट के रूप में पेश करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा, "धार्मिक उद्देश्य को छुपाने के लिए किताबें लिखी गईं, जिनमें इसे महज सामान्य लूटपाट के रूप में दर्शाया गया। सोमनाथ मंदिर को बार-बार नष्ट किया गया। यदि आक्रमण केवल लूटपाट के लिए होते, तो 1,000 साल पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही वे रुक गए होते।" उन्होंने कहा, "लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ के पवित्र देवता का अपमान किया गया। मंदिर के स्वरूप को ही बदलने के बार-बार प्रयास किए गए। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को लूट के लिए नष्ट किया गया था। नफरत, अत्याचार और आतंक का सच्चा इतिहास हमसे छुपाया गया।" मोदी ने कहा कि जो व्यक्ति अपने धर्म के प्रति सच्चे भाव रखता है, वह ऐसी चरमपंथी विचारधारा का समर्थन नहीं करेगा। हालांकि, तुष्टीकरण में लिप्त लोग ऐसे धार्मिक चरमपंथ के आगे घुटने टेक देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की शपथ ली, तो उनके रास्ते में बाधाएं डाली गईं और जब भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के उद्घाटन के लिए यहां आए, तब भी आपत्तियां उठाई गईं। उन्होंने कहा, "दुर्भाग्य से, सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें अब भी हमारे देश में मौजूद हैं और वे बहुत सक्रिय हैं। तलवारों के बजाय अन्य तरीकों से भारत के खिलाफ साजिशें रची जा रही हैं।" मोदी ने कहा, "इसीलिए हमें सतर्क और एकजुट रहने की जरूरत है। हमें खुद को और अधिक शक्तिशाली बनाना होगा, ताकि हम उन ताकतों को हरा सकें, जो हमें बांटने की साजिश रच रही हैं।" उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर कई बार हमले हुए, जिनकी शुरुआत 1026 में महमूद गजनी के हमले से हुई और 17वीं और 18वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगजेब के हमलों तक जारी रही। उन्होंने कहा कि महमूद बेगड़ा और औरंगजेब ने आक्रमण के दौरान मंदिर को मस्जिद में बदलने की कोशिश भी की। लेकिन हर हमले के बाद मालवा की रानी अहिल्याबाई होलकर सहित भगवान शिव के भक्तों द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया।

शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला, गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हिंसा का दौर तेज हो गया है। शनिवार की रात पश्चिम मेदिनीपुर के चंद्रकोना में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हुए हमले ने राज्य से लेकर दिल्ली तक हड़कंप मचा दिया है। इस घटना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। जानकारी के अनुसार, शुभेंदु अधिकारी पुरुलिया में एक कार्यक्रम के बाद कोलकाता लौट रहे थे, तभी चंद्रकोना रोड मार्केट के पास तृणमूल कांग्रेस के झंडे लिए भीड़ ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने बांस की लाठियों से उनकी बुलेटप्रूफ गाड़ी पर हमला किया। शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि यह हमला काफी देर तक चलता रहा, लेकिन स्थानीय पुलिस मूकदर्शक बनी रही। इस घटना के विरोध में भाजपा नेता चंद्रकोना थाने के फर्श पर ही धरने पर बैठ गए। हमले के वीडियो फुटेज अब गृह मंत्रालय को भेज दिए गए हैं।

ईरान में प्रदर्शनों में 538 लोगों की मौत

दुबई/तेल अवीव : ईरान में देशव्यापी प्रदर्शन रविवार को राजधानी तेहरान और देश के दूसरे बड़े शहरों में भी फैल गए। प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 538 हो गई है। अमेरिका की एक मानवाधिकार संस्था ने यह जानकारी दी। अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' के अनुसार, ईरान में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 538 हो गई है और 10,670 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। प्रदर्शन के मद्देनजर ईरान में इंटरनेट और फोन सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे प्रदर्शन का वास्तविक अनुमान लगाने में मुश्किल आ रही है। इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान में व्यापक प्रदर्शनों के नतीजों पर उनका देश करीब से नजर रख रहा है। नेतन्याहू ने साप्ताहिक कैबिनेट बैठक की शुरुआत में कहा, "इजराइल के लोग और पूरी दुनिया ईरान के नागरिकों के असाधारण शौर्य से अभिभूत हैं।" नेतन्याहू ने नागरिकों की हत्या की निंदा करते हुए उम्मीद जताई कि ईरान के अत्याचार से मुक्त होने के बाद इजराइल और ईरान के बीच संबंध फिर से मजबूत होंगे। इजराइल के एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से ईरान सहित कई विषयों पर बातचीत की।

अगर हमला हुआ तो अमेरिका और इजराइल को निशाना बनाएंगे : ईरान की चेतावनी

ईरान में देशव्यापी प्रदर्शन रविवार को राजधानी और देश के दूसरे बड़े शहर में भी फैल गए। प्रदर्शन के मद्देनजर ईरान में इंटरनेट और फोन लाइन काट दी गई है, जिससे प्रदर्शन का वास्तविक अनुमान लगाने में मुश्किल आ रही है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालिबाफ ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका इस्लामिक गणराज्य पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना और इजराइल उसका "वैध निशाना" बनेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी प्रदर्शनों को लेकर हमले की धमकी दी है।

प्रदर्शनकारियों की बात सुनेंगे, लेकिन समाज को तबाह करने की अनुमति नहीं देंगे: ईरान के राष्ट्रपति

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों की बात सुनेंगे, लेकिन प्रदर्शनकारी पूरे इस्लामी गणराज्य में फैल रहे हैं और दंगाई पूरे समाज को तबाह करने का प्रयास कर रहे हैं। पेजेश्कियन की टिप्पणियां उनके कठोर रुख को दर्शाती हैं, जो अब तक जनता को शांत करने में असमर्थ रहे हैं। देश की खराब अर्थव्यवस्था को लेकर आक्रोश देश की धर्म आधारित व्यवस्था के लिए एक सीधी चुनौती में तब्दील हो गया है। राष्ट्रपति ने कहा, लोगों को चिंताएं हैं, हमें उनके साथ बैठकर उनकी चिंताओं का समाधान करना चाहिए। अगर यह हमारा कर्तव्य है, तो हमें उनकी चिंताओं को दूर करना चाहिए। लेकिन इससे भी बड़ा कर्तव्य यह है कि हम दंगाइयों के एक समूह को आकर पूरे समाज को तबाह करने की अनुमति न दें।

पीएसएलवी-सी62 : आसमान में आज भारत रचेगा इतिहास

श्रीहरिकोटा : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (पीएसएलवी) रॉकेट सी62 मिशन के प्रक्षेपण के लिए रविवार को साढ़े बाईस घंटे की उल्टी गिनती शुरू की। इस साल के पहले मिशन के जरिये पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के साथ-साथ 14 अन्य सह उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इसरो की वाणिज्यिक शाखा, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के लिए भेजे जा रहे इस मिशन में 14 घरेलू और विदेशी उपग्रहों को कक्ष में स्थापित किया जाएगा। इसरो ने बताया कि 260 टन के भार वाले पीएसएलवी-सी62 रॉकेट का प्रक्षेपण सोमवार को पूर्वाह्न 10.17 बजे के बजाय पूर्वाह्न 10.18 बजे के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है। इसरो के सूत्रों ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "जी हां। उल्टी गिनती अपराह्न 12.48 बजे शुरू हुई। कुल अवधि 22 घंटे 30 मिनट है। प्रक्षेपण कल

पूर्वाह्न 10.18 बजे होगा।" पीएसएलवी-सी62/ईओएस-एन1 मिशन सबसे पहले थाईलैंड और ब्रिटेन द्वारा निर्मित पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को कक्षा में स्थापित करेगा, जिसके बाद प्रक्षेपण के लगभग 17 मिनट बाद 13 अन्य उपग्रहों को सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इसके बाद, रॉकेट के चौथे चरण (पीएस4) के अलग होने और स्पेनिश स्टार्टअप से संबंधित लगभग 25 किलोग्राम वजनी केस्ट्रेल इनिशियल टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेटर (केआईडी) कैप्सूल स्थापित होगा। ऐसा प्रक्षेपण के दो घंटे से अधिक समय बाद होने की उम्मीद है। इसरो के मुताबिक, वैज्ञानिक रॉकेट के चौथे चरण को फिर से प्रणोदित करेंगे, ताकि केआईडी कैप्सूल को पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करते हुए प्रदर्शित किया जा सके। इसरो ने बताया कि पीएस4 चरण और केआईडी कैप्सूल (जो अंतिम सह-उपग्रह होगा) दोनों पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करेंगे और दक्षिण प्रशांत महासागर में उतरेंगे। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने पीएसएलवी के जरिये अबतक 63 मिशन को पूरा किया है, जिनमें महत्वाकांक्षी चंद्रयान-1, मंगलयान और आदित्य-एल1 मिशन शामिल हैं।

वेनेजुएला की नेता मचाडो शांति पुरस्कार ट्रंप को नहीं दे सकतीं : नोबेल इंस्टिट्यूट

वाशिंगटन : नोबेल इंस्टिट्यूट ने स्पष्ट किया है कि वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो हाल ही में मिला नोबेल शांति पुरस्कार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नहीं दे सकतीं। नॉर्वियन नोबेल इंस्टिट्यूट ने यह बयान मचाडो के यह कहने के बाद जारी किया है कि वह अपना पुरस्कार ट्रंप को देना या उनके साथ साझा करना चाहेंगी, जिन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के अमेरिकी अभियान की निगरानी की है। मादुरो न्यूयॉर्क में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इंस्टिट्यूट ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा हो जाने के बाद इसपर न तो रोक लगाई जा सकती है, न ही यह किसी दूसरे को सौंपा या उसके साथ साझा किया जा सकता। बयान में कहा गया है, फैसला अंतिम होता है और हमेशा बरकरार रहता है।

जम्मू-कश्मीर: नियंत्रण रेखा के आसपास के इलाकों में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के सांबा, राजौरी और पुंछ जिलों में रविवार शाम को अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे कई अग्रिम क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि देखी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी ड्रोन पाकिस्तान की तरफ से आई थीं और भारतीय क्षेत्र के ऊपर कुछ मिनट तक मंडराने के बाद वापस लौट गईं। अधिकारियों के अनुसार, सीमावर्ती क्षेत्रों में संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि को देखते हुए सुरक्षा बलों ने जमीन पर तलाश अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि राजौरी में नियंत्रण रेखा के पास नौशेरा सेक्टर की रखवाली कर रहे सेना के जवानों ने शाम करीब छह बजकर 35 मिनट पर गनिया-कलसियां गांव के ऊपर ड्रोन की गतिविधि को देखते हुए मध्यम और हल्की मशीन गनों से गोलीबारी की।

'ग्रोक' से अश्लील सामग्री तैयार करने का मामला: 'एक्स' ने गलती स्वीकार की, 600 से ज्यादा खाते हटाए

नयी दिल्ली : सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' को 'ग्रोक एआई' के अश्लील सामग्री मुद्दे पर चेतावनी दिए जाने के बाद माइक्रोब्लॉगिंग साइट ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और कहा है कि वह भारतीय कानूनों का पालन करेगी। सरकारी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि लगभग 3,500 सामग्री 'ब्लॉक' की गई हैं और 600 से अधिक खाते हटा दिए गए हैं। यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया है, जब 'ग्रोक' पर दुनिया भर की सरकारों का दबाव बढ़ता जा रहा है। नियामक हाल के दिनों में 'एक्स' पर बड़ी संख्या में सामने आई आपत्तिजनक और बिना सहमति वाली यौन सामग्री, 'कंटेंट मॉडरेशन' और डेटा सुरक्षा को लेकर जेनरेटिव एआई इंजन की कड़ी जांच कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, 'एक्स' ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और कहा है कि वह भारतीय कानूनों का पालन करेगी। साथ ही यह भी कहा है कि भविष्य में यह मंच अश्लील चित्रों की अनुमति नहीं देगा। इस सोशल मीडिया मंच के 'सेफ्टी' हैंडल ने पिछले रविवार को कहा कि वह अपने मंच पर अवैध सामग्री, जिसमें बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) भी शामिल है, के खिलाफ कार्रवाई करता है। इसके तहत ऐसी सामग्री को हटाना, खातों को स्थायी रूप से निलंबित करना और आवश्यकतानुसार स्थानीय सरकारों एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ काम करना शामिल है। 'एक्स' ने अवैध सामग्री पर मस्क के रुख को दोहराते हुए कहा था, "ग्रोक का उपयोग करके या उससे अवैध सामग्री बनवाने वाले किसी भी व्यक्ति को वही परिणाम भुगतने होंगे जो कि अवैध सामग्री अपलोड करने पर भुगतने पड़ते हैं।"

चक्रवात प्रभावित श्रीलंका में भारत की वित्तीय मदद से तैयार पहला 'बेली ब्रिज' यातायात के लिए खोला गया

कोलंबो : चक्रवात प्रभावित श्रीलंका में भारत की वित्तीय मदद से तैयार पहला 'बेली ब्रिज' रविवार को यातायात के लिए खोल दिया गया। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी। उच्चायोग ने बताया

कि 100 फुट लंबे इस 'बेली ब्रिज' का निर्माण भारतीय सेना ने किया है और इसके खुलने से मध्य प्रांत व उवा प्रांत के बीच एक महत्वपूर्ण सड़क संपर्क बहाल हो गया। 'बेली ब्रिज' आसानी से ले जाए जाने योग्य एक पूर्वनिर्मित पुल होता है, जिसके हिस्सों को तेजी से जोड़कर पुल का रूप दिया जाता है। उच्चायोग ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, संपर्क बहाल करते हुए चक्रवात 'दितवा' के बाद पुनर्निर्माण के लिए भारत की ओर से दिए गए सहायता पैकेज के तहत निर्मित पहला 'बेली ब्रिज' यातायात के लिए खोल दिया गया है।

कांग्रेस की 'सत्ता में हिस्सेदारी' की मांग के बीच द्रमुक ने गठबंधन सरकार की संभावना को खारिज किया

डिंडीगुल (तमिलनाडु) : द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता और राज्य के मंत्री आई पेरियासामी ने रविवार को गठबंधन सरकार की संभावना को खारिज किया और जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन सहयोगियों के साथ सत्ता साझा करने के खिलाफ अपने रुख पर अडिग हैं। यहां पत्रकारों ने पेरियासामी से जब तमिलनाडु में कांग्रेस की सत्ता में हिस्सेदारी की मांग के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि यह मांग करना कांग्रेस का अधिकार है। उन्होंने कहा कि हालांकि द्रमुक कभी भी इस तरह के प्रस्ताव के पक्ष में नहीं थी। उन्होंने कहा, "कभी गठबंधन सरकार नहीं रही है" और राज्य में हमेशा से द्रमुक ने अकेले ही शासन किया है। ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा, "पार्टी के इस रुख में कोई संदेह नहीं है, कोई गठबंधन सरकार नहीं बनेगी और मुख्यमंत्री इस रुख पर अडिग हैं।" मुख्यमंत्री स्टालिन द्वारा सेंसर बोर्ड की तीखी आलोचना किए जाने के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने आरोप लगाया कि यह सच है कि फिल्म बोर्ड पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करता है। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई ने इस साल मार्च-अप्रैल तक होने वाले विधानसभा चुनाव में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत की स्थिति में सत्ता में हिस्सेदारी की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने हाल ही में कहा था कि अब "सत्ता में हिस्सेदारी" पर बहस करने का समय आ गया है।

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted
Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर **घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट** ही एकमात्र निश्चित समाधान है।

मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।

सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए में 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
✆ : 98319 11584 / 98312 66632

e-mail : santdr@gmail.com
www.drsantoshkumarortho.com
www.mykneemylife.org
Floow : facebook.com/poorvaorthopedic
www.twitter.com/poorvaortho

इंदौर से सबक ले रोहतक को राहत दें

यह विडंबना ही है कि हमारे नागरिक प्रशासन का नियामक तंत्र आग लगने पर कुआं खोदने की मानसिकता से मुक्त नहीं होता। यदि समय रहते संवेदनशील या फिर घातक साबित होने वाली स्थिति व परिस्थिति पर नजर रखी जाए तो जनधन की हानि टाली भी जा सकती है। हाल ही में दूषित पेयजल से इंदौर में हुई जन हानि के बाद रोहतक और झज्जर की उन चेतावनियों की अनदेखी नहीं की जा सकती,जिसमें नागरिक घरों में आने वाले गंदे व बदबूदार पानी की शिकायत करते रहे हैं। निश्चय ही इस स्थिति को जन स्वास्थ्य से जुड़े आपातकाल के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके साथ ही नागरिकों की शिकायत की जांच-पड़ताल कर अविलंब कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन इसके बावजूद जवाबदेही न निभाने और एक-दूसरे विभाग पर दोष मढ़ने का पुराना सिलसिला ही अकसर सामने आता है। उल्लेखनीय है कि इंदौर की हालिया दूषित पेयजल की त्रासदी में नगरपालिका द्वारा सप्लाई किए जा रहे पानी के सेवन से कई लोगों की जान चली गई और बड़ी संख्या में लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विडंबना यह है कि वहां भी नागरिकों की शुरुआती चेतावनियों को सामान्य शिकायतों के रूप में देखकर खारिज कर दिया गया था। लेकिन एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत के बाद अधिकारियों ने स्वीकार किया कि इंदौर में पेयजल पाइपलाइनों में सीवेज का रिसाव हुआ था। यह स्वीकारोक्ति भी तब सामने आई जब बड़ा नुकसान हो चुका था। लगता है कि रोहतक व झज्जर भी इसी तरह के आसन्न खतरे के मुहाने पर खड़े हैं। वैसे देखा जाए तो देश के विभिन्न हिस्सों में सामने आने वाले ऐसे मामले न तो रहस्यमय हैं और न ही ये कोई नई बात ही है। बुनियादी ढांचागत व्यवस्था का जर्जर होना, सीवर लाइनों में रिसाव, अनियोजित शहरी विस्तार और नागरिक एजेंसियों के बीच आवश्यक समन्वय का अभाव, अकसर ऐसी स्थिति पैदा कर देता है, जहां सीवेज और पीने का पानी खतरनाक रूप से एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

गाहे-बगाहे देश के विभिन्न भागों में स्थानीय नागरिक जब-तब आरोप लगाते हैं कि पीने के पानी में सीवर का पानी मिलने की आशंका है। ऐसे में शासन-प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया, इसके सत्यापन, पाइप लाइन की मरम्मत और वैकल्पिक पेयजल उपलब्ध कराने की होनी चाहिए। ऐसे में स्वास्थ्य संकट को दूर करने और अपनी बात मनवाने के लिये यदि नागरिकों को सड़कों पर उतरना पड़ता है तो यह शासन-प्रशासन की विफलता को ही दर्शाता है। विडंबना यह है कि जल प्रदूषण का सबसे बुरा असर समाज के कमजोर वर्ग पर ही पड़ता है। ऐसे में बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग इसकी चपेट में आते हैं। निर्विवाद रूप से दूषित जल से डायरिया, हेपेटाइटिस और अन्य दूषित जल जनित बीमारियों का प्रभाव तेजी से फैलता है। जिसके चलते अफरा-तफरी के बीच अक्सर स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा जाती है। ऐसे में तंत्र की निष्क्रियता की कीमत आम लोगों को न केवल अस्पताल के भारी-भरकम बिलों के रूप में, बल्कि जानमाल के नुकसान और प्रशासन के प्रति जनता के विश्वास में आई कमी के रूप में भी चुकानी पड़ती है। निश्चित रूप से दूषित पाइपलाइनों को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। व्यापक स्तर पर प्रभावित क्षेत्र में जल स्रोतों का परीक्षण होना चाहिए। साथ ही यह भी जरूरी है कि प्रभावित क्षेत्र में व्यापक स्तर पर लिए गए पानी के नमूनों की जांच के परिणाम भी सार्वजनिक किए जाएं। इसके अलावा आवश्यक है कि दूषित सिस्टम के सुरक्षित प्रमाणित होने तक सुरक्षित वैकल्पिक जल आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जिम्मेदारी तय की जाए, न कि बांटी जानी चाहिए। सही मायनों में शहरी प्रशासन की कुशलता को स्वच्छ जल, स्वच्छता और जन-सुरक्षा जैसी बुनियादी बातों के मूल्यांकन के आधार पर मापा जाना चाहिए। ऐसे में इंदौर के घटनाक्रम को एक चेतावनी मानते हुए रोहतक और झज्जर के मामले में तत्काल कार्रवाई करने की जरूरत है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 12 जनवरी, सोमवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2082, माघ कृष्णपक्ष नवमी, 12:43 तक, नक्षत्र : स्वाति, 21:00 तक, योग : धृति, 18:09 तक, सूर्योदय: 06:19, सूर्यास्त: 17:11, चन्द्रोदय : 00:42, चन्द्रास्त: 11:59, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : तुला, राहू काल : 07:43 से 09:03

राशिफल

मेष : बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें। किसी कारण आज आपको खुद पर कंट्रोल करना पड़ सकता है। कई लोगों के लिए दिन भर आलस का माहौल रहेगा।

वृष : दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे। प्रोफेशनल मामले में सावधानी बरतने से होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है।

मिथुन : आज का दिन एक्साइटमेंट से भरा है, दोपहर तक कोई टेलीफोन कॉल के जरिये किसी खास मामले में जानकारी दे सकता है। स्टूडेंट अपना ज्यादा ध्यान पढ़ाई में लगाएं तो फायदा मिलेगा।

कर्क : आज का दिन आपके लिए स्पेशल साबित हो सकता है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा। आज कोई रिस्क वाला कदम न उठाएं।

सिंह : दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो तो फौरन आगे बढ़ें फायदा जरूर होगा। रिश्तेदारों से पुराने गिले शिकवे दूर करने का समय है।

कन्या : आज आपका दिन काफी बिजी कर देने वाला होगा। दिमाग से किए गए काम का फायदा होगा और इसकी खुशी होगी। पुराने समय से चली आ रही टेंशन भी कम हो जाएगी।

तुला : आपको दिन के पहले हिस्से में फोन कॉल्स के जरिए आज कोई खुशखबरी मिलेगी। ऑफिस के साथी भी टीमवर्क से खुश होंगे। लेनदेन और बिजनेस में खतरा हो सकता है।

वृश्चिक : दिन के पहले हिस्से में मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक मुनाफे के कई मौके आएंगे। घूमने फिरने के मौके जब भी आते हैं आप हमेशा तैयार रहते हैं।

धनु : आज आपका टाइम अच्छा है इसका पूरा फायदा उठाएं। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें। आपकी कई इच्छाएं आज पूरी होंगी। घूमने फिरने से कोई जरूरी काम बन सकता है।

मकर : आज आपकी किसी से अनबन न हो इस बात का ध्यान रखें। काम काज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी। बिजनेस में मुनाफे की आशा रहेगी और शादीशुदा जिंदगी में भी कामयाब होगी।

कुम्भ : आज टीमवर्क से काम करने वाला दिन है। ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट मिलेंगे। बातचीत से कोई नया फायदे का आइडिया आ सकता है।

मीन : आज का दिन काफी धीमा हो सकता है। आहिस्ता आहिस्ता आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है। कोशिश जारी रखें तो अटके हुए काम भी बन जाएंगे।

विकसित भारत के लिए युवा नेतृत्व का सशक्तिकरण

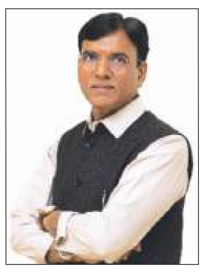

डॉ. मनसुख मांडविया

भारत की विकास कथा उन लोगों द्वारा लिखी जाएगी, जो आज इसके विचारों को स्वरुप दे रहे हैं। पूरे देश में, युवा भारतीय इस बारे में गहराई से सोच रहे हैं कि भारत कैसे तेज़ी से आगे बढ़ सकता है, कैसे बेहतर शासन कर सकता है और किस प्रकार 2047 तक विकसित देश बन सकता है। उनके विचार विश्वविद्यालय परिसरों और समुदायों, स्टार्ट-अप और खेल के मैदानों, कक्षाओं और गांव की बैठकों में उभरकर सामने आ रहे हैं। वास्तविक सवाल अब यह नहीं रहा कि क्या युवाओं के पास योगदान देने के लिए कुछ है, बल्कि यह है कि क्या उनके विचारों को राष्ट्र की दिशा को प्रभावित करने के लिए एक सशक्त मंच दिया जा रहा है। विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) को ऐसा ही मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आज भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी निवास करती है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा केवल नीतियों या संस्थाओं से नहीं, बल्कि इसके युवा नागरिकों की कल्पना, दृढ़ विश्वास और साहस से निर्धारित होगी। विशाल युवा शक्ति का यह भंडार केवल जनसांख्यिकीय लाभ नहीं है; यह भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय परिसंपत्ति है, जो नवाचार को गति देने, लोकतंत्र को मजबूत करने तथा देश को समावेशी और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में सक्षम है।

भारत की युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को मजबूत उद्देश्य और संभावना से मार्गदर्शन मिलता है। आज का युवा केवल व्यक्तिगत उन्नति से प्रेरणा प्राप्त नहीं करता है; वह जिम्मेदारी उठाने और सार्थक प्रभाव डालने की इच्छा से भी प्रेरित होता है। वे ऐसे रास्तों की खोज करते हैं, जहां उनकी रचनात्मकता, समाधानों में बदल सके, उनकी ऊर्जा नेतृत्व में और उनकी महत्वाकांक्षा सेवा में परिवर्तित हो सके।

युवा मामले और खेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मुझे विभिन्न पृष्ठभूमियों में - जैसे विश्वविद्यालय परिसरों में, ग्रामीण जिलों में, खेल मैदानों में और युवा नेतृत्व वाली सामुदायिक पहलों में - युवा भारतीयों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला है। जो चीज़ हमेशा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, वह यह है कि युवा लोग देश के भविष्य के बारे में कितनी गंभीरता से सोचते हैं। मुझे वह मौका याद है जब मैं ग्रामीण युवा स्वयंसेवकों के एक समूह से मिला, जिन्होंने अपने गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों का आयोजन किया था। सीमित संसाधनों के बावजूद, दृढ़ विश्वास के साथ, वे शिक्षा और कौशल विकास की कमियों का स्थानीय रूप से डिज़ाइन किए गए उपायों के माध्यम से समाधान कर रहे थे। उनके विचार व्यावहारिक थे, जमीनी वास्तविकताओं से जुड़े थे और जिम्मेदारी की स्पष्ट भावना से संचालित थे। इस तरह के अनुभव एक सरल सच्चाई की पुष्टि करते हैं: जब युवा लोगों पर भरोसा किया जाता है और उन्हें स्थान दिया जाता है, तो वे केवल भाग नहीं लेते, बल्कि नेतृत्व करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से आह्वान किया था कि ऐसे एक लाख युवाओं को सार्वजनिक जीवन में लाया जाना चाहिए, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो। प्रधानमंत्री की इसी भावना से प्रेरित होकर जनवरी 2025 में 'विकसित भारत युवा नेता संवाद' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें राष्ट्रीय युवा महोत्सव की परिकल्पना पूरी तरह से नए प्रारूप में की गयी है। प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही। विकसित भारत चुनौती के माध्यम से 30 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया, दो लाख से अधिक निबंध प्रस्तुत किए गए और हजारों युवाओं ने राज्य स्तर पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन का समापन दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ, जहां 3,000 युवा नेताओं को प्रधानमंत्री के साथ खुलकर संवाद करने का अवसर मिला, जिन्होंने कई घंटों तक उनके विचार सुने और उन्हें नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया।

संख्याओं से परे, सहभागिता की प्रकृति ने इस संवाद को वास्तव में ऐतिहासिक बनाया। इसने मान्यता दी कि भारत की युवा शक्ति के विचार 2047 के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण हैं। युवा प्रतिभागियों को राष्ट्रीय चुनौतियों के बारे में गंभीरता से सोचने,

विकसित भारत युवा नेता संवाद :

समाधान प्रस्तुत करने और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को साझा उद्देश्य के साथ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे आकांक्षा और क्रियान्वयन के बीच का अंतर समाप्त हो गया।

विकसित भारत युवा नेता संवाद की ताकत केवल इसके पैमाने में नहीं, बल्कि इसके डिज़ाइन में है। विचार, भाषा, संस्कृति और अनुभव की विविधता इस पहल की संरचना में निहित है। शहरी और ग्रामीण भारत के युवा, छात्र और पेशेवर, नवोन्मेषी और जमीनी नेता एक मंच साझा करते हैं। कई स्तरों की भागीदारी सुनिश्चित करती है कि संवाद और आदान-प्रदान के माध्यम से विचार परिष्कृत होंगे, न कि भौगोलिक, भाषा या पृष्ठभूमि के कारण विचारों को छांट दिया जाएगा। ऐसा करके, संवाद सुनिश्चित करता है कि भाग लेने वाले हर युवा के पास अपनी बात को रखने का अवसर है और उसे विस्तार देने का एक मंच भी है।

भारत के युवाओं ने हमेशा देश के निर्णायक क्षणों में मुख्य भूमिका निभाई है, स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के संस्थानों के निर्माण तक। हर मोड़ पर, युवा भारतीय साहस, विश्वास और नेतृत्व करने की इच्छा के साथ आगे बढ़े हैं। केवल भागीदारी के लिए नहीं, बल्कि भारत की विकास कहानी के साझा-निर्माण का नेतृत्व करने और इसे गति देने के लिए, आज, राष्ट्र फिर से अपने युवाओं की ओर देख रहा है। 2047 में विकसित भारत का विज़न केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण जिम्मेदारी, तकनीकी मार्गदर्शन और समावेशी विकास की भी मांग करता है। इन जटिल चुनौतियों के लिए ताजा सोच, अनुकूलन क्षमता और अभिनव को अपनाने की योग्यता की आवश्यकता है: ये गुण भारत की युवा शक्ति में प्रबल रूप से मौजूद हैं।

पहली ऐतिहासिक संस्करण की शानदार सफलता के आधार पर, वीबीवाईएलडी2026, जो 9-12 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा, राष्ट्रीय युवा सम्मेलन से एक ऐसे मंच की ओर निर्णायक छलांग का संकेत देता है जिसकी प्रतिध्वनि वैश्विक है। 'भारत के लिए डिज़ाइन' और 'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी' जैसी नई पहलों और अंतरराष्ट्रीय भारतीय युवा प्रवासी की भागीदारी के साथ, संवादों का अब सीमाओं के पार तक प्रसार होता है। फिर भी, इसका मूल उद्देश्य अपरिवर्तित रहता है: युवाओं को साहसपूर्वक सोचने, निडरता से रचना करने और दृढ़ विश्वास के साथ नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाना।

इस साल के आयोजन का पैमाना इस महत्वाकांक्षा की गहराई को रेखांकित करता है। विकसित भारत क्विज में 50 लाख से अधिक युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो वीबीवाईएलडी 2026 के चयन का पहला चरण था। यह इसे अपने तरह के सबसे बड़े युवा सहभागिता कार्यक्रमों में से एक बनाता है। चार दिनों के दौरान, देश के हर कोने के प्रतिभागी व्यावहारिक अंतर्दृष्टियों, विचारों और दृष्टिकोणों का लाभ उठाते हुए प्रमुख राष्ट्रीय और वैश्विक व्यक्तित्वों के साथ संवाद करेंगे, जो विषयों और भौगोलिक सीमाओं से परे जाते हैं।

वास्तव में वीबीवाईएलडी 2026 को अलग बनाने वाली चीज यह है कि यह हमारी युवा शक्ति को केवल बोलने का मौका नहीं देता, बल्कि उन्हें सुने जाने का भी अवसर प्रदान करता है। यह मंच युवा भारतीयों को अपने विचारों, आकांक्षाओं और समाधानों को भारत के प्रधानमंत्री के सामने सीधे प्रस्तुत करने में सक्षम बनाता है। 12 जनवरी को, जिसे पूरे देश में स्वामी विवेकानंद की स्मृति में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व्यक्तिगत रूप से भारत मंडपम में युवाओं के साथ संवाद करेंगे, उनसे सुनेंगे कि वे भविष्य की भारत की कल्पना कैसे करते हैं और किस रूप में उसे आकार देने का इरादा रखते हैं।

जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, देश को उन युवाओं की सक्रिय भागीदारी की जरूरत है, जिनमें बड़े सपने देखने का साहस है और विचारों को सार्थक कार्य में बदलने का दृढ़ संकल्प है। संवाद के लिए एक मंच से कहीं अधिक, विकसित भारत युवा नेता संवाद एक अभियान है, जो भारतीय युवाओं को आगे बढ़कर नेतृत्व करने, राष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करने और विकसित भारत के साथ अपनी आकांक्षाओं को जोड़ने का आह्वान करता है।

विकसित भारत का निर्माण उन्हीं के द्वारा किया जाएगा, जिनमें नेतृत्व करने का आत्मविश्वास और सेवा करने की प्रतिबद्धता है। भारत के युवा तैयार हैं। राष्ट्र को उनके साथ चलने के लिए तैयार रहना चाहिए।

तक्षशिला में खुदाई से प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक उत्कर्ष की पुष्टि

अशोक प्रवृद्ध

अभी नए वर्ष के शुरुआत जनवरी 2026 में पाकिस्तान स्थित तक्षशिला की खुदाई में यूनेस्को साइट भीर टीले से कुषाण काल के सम्राट वासुदेव की छवि वाले सिक्के और छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व के मूल्यवान सजावटी पत्थर (लैपिस लाजुली) आदि पुरातात्विक वस्तुओं के मिलने से प्राचीन तक्षशिला नगर व विश्वविद्यालय पुनः चर्चा के क्नेद्र में है। कहा जा रहा है कि तक्षशिला में प्राप्त पुरातात्विक वस्तुएं गांधार सभ्यता के शहरी जीवन, व्यापार और कुषाण शासन के तहत इसके सांस्कृतिक उत्कर्ष को दर्शाते हैं। यह खोज इस क्षेत्र में बौद्ध स्तूपों और मठों के निर्माण को भी इंगित करती है। खुदाई में प्राप्त दूसरी सदी के ये दुर्लभ कांस्य सिक्के न केवल अंतिम महान कुषाण शासकों में से एक सम्राट वासुदेव की महानता के परिचायक हैं, बल्कि इससे क्षेत्र की आर्थिक और सांस्कृतिक समृद्धि का पता चलता है, जो कुषाणों के शासन काल में अपने चरम पर थी। खुदाई में प्राप्त छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व के चमकदार नीले पत्थर लैपिस लाजुली इस बात के प्रमाण हैं कि प्राचीन काल में इस क्षेत्र का दूर-दराज के लोगों से व्यापारिक संबंध कायम था और यह नीला पत्थर एक मूल्यवान वस्तु के रूप में प्रयोगरत्त थी। यह खोज तक्षशिला के शुरुआती शहरी बसावट (भीर टीला) और इसके समृद्ध अतीत पर प्रकाश डालती है, जिसे पिछले एक दशक की सबसे महत्वपूर्ण खोजों में से एक माना जा रहा है। इससे इस बात की भी पुष्टि होती है कि कुषाण काल में तक्षशिला एक बड़ा प्रशासनिक, वाणिज्यिक और बौद्धिक केंद्र बन गया था। इन सिक्कों व पत्थरों से उस काल के बहुलवाद और गांधार कला के विकास की पुष्टि होती है। कनिष्क आदि कुषाण शासकों के संरक्षण से इस क्षेत्र में बड़े स्तूपों, मठों और धार्मिक परिसरों का निर्माण होने की स्पष्ट पुष्टि इस खोज से होती है। तक्षशिला से प्राप्त पुरातात्विक वस्तुएं गांधार क्षेत्र के प्राचीन इतिहास, व्यापारिक संबंधों और कुषाण साम्राज्य के सांस्कृतिक, धार्मिक जीवन की नई समझ प्रदान करते हैं, साथ ही यहां के स्तूपों और अन्य धार्मिक संरचनाओं के निर्माण की पृष्ठभूमि को भी मजबूत करते हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रावलपिंडी जिले की एक तहसील तक्षशिला प्राचीन भारत में ज्ञान, शिक्षा, राजनीति और संस्कृति का एक प्रतिष्ठित केंद्र था, जिसका उल्लेख रामायण, महाभारत आदि महाकाव्यों, पुराण, बौद्ध अदि ग्रंथों और ऐतिहासिक यात्रा वृत्तांतों में मिलता है। रामायण, महाभारत आदि महाकाव्यों में तक्षशिला का उल्लेख गांधार जनपद की राजधानी और एक महान विद्या केंद्र के रूप में मिलता है। वाल्मीकि रामायण 7/101/10-11, वायु पुराण 88/190, महाभारत 1/3/22 आदि में अंकित वर्णनों के अनुसार अयोध्या के राजा श्रीराम के अनुज भरत ने अपने नाना केकयराज अश्वपति के आमंत्रण और उनकी सहायता से गन्धर्वो के देश गांधार को जीता और अपने दो पुत्रों को वहां का शासक नियुक्त किया। गन्धर्व देश सिंधु नदी के दोनों किनारे स्थित था -सिंधोरुभयत: पार्श्वे देश: परमशोभन: । और उसके दोनों ओर भरत के तक्ष और पुष्कल नामक दोनों पुत्रों ने क्रमशः तक्षशिला और पुष्करावती नामक अपनी-अपनी राजधानियां बसाई। तक्षशिला सिंधु के पूर्वी तट पर थी। उन रघुवंशी क्षत्रियों के वंशजों ने तक्षशिला पर लंबे समय तक शासन किया। महाभारत स्वर्गारोहण पर्व, अध्याय 5 के अनुसार महाभारत युद्ध के बाद परीक्षित के वंशजों ने कुछ पीढ़ियों तक वहां अधिकार बनाए रखा और जनमेजय ने अपना नागयज्ञ वहीं किया था। इसी स्थान पर महर्षि कृष्ण द्वैपायण वेदव्यास के कहने पर वैशंपायन ने महाभारत का प्रथम पाठ किया था। गौतम बुद्ध के समय गांधार के राजा पुक्कुसाति ने मगधराज बिंबिसार के यहां अपना दूतमंडल भेजा था। छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व फारस के शासक कुरुष ने सिंधु प्रदेशों पर आक्रमण किया। बाद में भी उसके कुछ उत्तराधिकारियों ने यह सिलसिला जारी रखा। तक्षशिला उनके कब्जे में चली गई और लगभग 200 वर्षों तक उस पर फारस का अधिपत्य रहा। मकदूनिया के आक्रमणकारी विजेता सिकंदर के समय वहां के शासक बैसिलियस अथवा टैक्सिलिज ने सिकंदर से उपहारों के साथ भेंट कर मित्रता कर ली। उसकी मृत्यु के बाद उसका पुत्र आंभी भी सिकंदर का मित्र बना रहा, किंतु थोड़े ही दिनों पश्चात चंद्रगुप्त मौर्य ने उत्तरी पश्चिमी सीमा क्षेत्रों से सिकंदर के सिपहसालारों को मारकर निकाल दिया और तक्षशिला पर उसका अधिकार हो गया। उसने उसे उत्तरापथ प्रांत की राजधानी बनाई और मौर्य राजकुमार मंत्रियों की सहायता से वहां शासन करने लगे। उसका पुत्र बिंदुसार, पौत्र सुसीम और प्रपौत्र कुणाल वहां बारी-बारी से प्रांतीय शासक नियुक्त किए गये।

इस विश्वप्रसिद्ध विश्वविद्यालय में वेद, दर्शन, चिकित्सा (आयुर्वेद), अर्थशास्त्र, धनुर्वेद, हस्तिविद्या, त्रयी, व्याकरण, दर्शनशास्त्र, गणित, ज्योतिष, गणना, संख्यानक, वाणिज्य, सर्पविद्या, तंत्रशास्त्र, संगीत, नृत्य, चित्रकला, युद्ध विद्या जैसे 64 विषयों की शिक्षा दी जाती थी। इस विश्वविद्यालय को प्रसिद्ध अर्थशास्त्री व राजनीतिज्ञ चाणक्य (कौटिल्य) ने अपने अर्थशास्त्र, आचार्य चरक ने आयुर्वेद के जनक और पाणिनि ने संस्कृत की व्याकरण के रचयिता के रूप में पहचान व प्रसिद्धि दिलाई। यहां अजातशत्रु, बिंबिसार, वसुबंधु ने शिक्षा ग्रहण किया था। यह पूर्ण रूप से बौद्ध विश्विद्यालय था, जो प्राचीन भारत के नाग लोगों के महान चक्रवर्ती सम्राट तक्षक के नाम पर बना है। यहीं बुद्ध के राजवैद्य और मगध सम्राट बिंबिसार के चिकित्सक जीवक ने चिकित्सा का अध्ययन किया था। पाली ग्रंथों में भी बौद्ध धर्म के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में इसका उल्लेख मिलता है। 5वीं सदी में चीनी यात्री फाह्यान ने भी तक्षशिला का दौरा किया था। यहां की शिक्षा गुरुकुल पद्धति पर आधारित थी और दूर- दूर से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने आया करते थे। शिक्षा पर सभी का अधिकार था। शिक्षा के लिए धनी, निर्धन, जाति, कुल, वर्ण आदि का भेद नहीं था। शिक्षा का महत्त्व धन से अधिक था और इसे सभी के लिए अनिवार्य माना जाता था। शिक्षा के लिए शुल्क वर्जित था, निंदनीय था। उस समय राजा अथवा स्थानीय शासकों का शैक्षिक गतिविधियों पर कोई नियंत्रण नहीं था। शिक्षा आचार्यों व संपूर्ण समाज का सामूहिक दायित्त्व था। समाज से दान-दक्षिणा, धनी व्यापारियों और धनी माता-पिता से मिलने वाली वित्तीय सहायता से शैक्षिक संस्थान अपना संचालन करते थे। व्यवहारिक शिक्षा, चरित्र निर्माण, व्यवसायिक शिक्षा, सांस्कृतिक शिक्षा, अध्यात्म, ये सभी शिक्षा के अंग थे। जिसके कारण सभ्यता- संस्कृति, समृद्धि व सम्पन्नता अपने चरम पर थी। यही कारण है कि विश्व विजय की आकांक्षा लिए भारत पहुंचे यूनान के राजा सिकंदर (अलेक्जेंडर) के साथ भारत आये यूनानी इतिहासकारों ने तक्षशिला को एक समृद्ध व सुशासित राज्य के रूप में पाया था। उन इतिहासकारों ने इस बात का उल्लेख अपने यात्रा प्रसंगों में करते हुए बताया था कि तक्षशिला जैसा विश्वविद्यालय उन्होंने ग्रीस में भी नहीं देखा था। सिकंदर तो राजा पुरु (पोरस) से युद्ध के पश्चात अपनी थकी हुई कमज़ोर सेना के साथ पलायन कर गया। लेकिन यूनानी इतिहासकारों के उल्लेखों से भारत के पश्चिम में तक्षशिला की प्रसिद्धि बढ़ी और तक्षशिला को पाने के लिए विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण के सिलसिले आरंभ हो गए।

चौथी शताब्दी के मध्य में तक्षशिला पर गुप्त वंश का शासन था। इतिहासकारों के अनुसार यह समय भारत का स्वर्ण युग माना जाता है। उस समय यह शहर रेशम, चंदन, घोड़े, कपास, चांदी के बर्तन, मोती और मसालों के व्यापार के लिए ही प्रसिद्ध नहीं था,बल्कि इसकी पहचान साहित्य, कला व संस्कृति के गढ़ के रूप में भी थी। लेकिन अपने स्वर्णिम काल में एक शिक्षित, समृद्ध राज्य तक्षशिला तत्कालीन राजा कुमारगुप्त के पुत्र स्कन्दगुप्त के सौतेले भाई पुरुगुप्त के द्वारा विश्वासघात किये जाने और हूण सरदार खिलखिल के नेतृत्त्व में हुए हूणों के दूसरे आक्रमण में उसका साथ दिए जाने के कारण असंस्कारित, असभ्य, असमृद्ध हूण आक्रमणकारियों से हार गया। इस हार के साथ तक्षशिला ह्रासत्व को प्राप्त होता चला गया। बर्बर हूणों के आक्रमणों ने तक्षशिला की सारी प्राचीन समृद्धि और सभ्यता को नष्ट कर दिया। सातवीं शताब्दी ईस्वी के तृतीय दशक में चीनी यात्री युवानच्वांग ने तक्षशिला को उजड़ा पाया था। उसके लेख के अनुसार उस समय तक्षशिला कश्मीर का एक करद राज्य था। इसके बाद तक्षशिला का अगले 1200 वर्षों का इतिहास विस्मृति के अंधकार में विलीन हो जाता है। 1947 में भारत विभाजन के समय तक्षशिला पाकिस्तान के हिस्से में चला गया। लेकिन अपने अतीतीय गौरवपूर्ण गाथा के कारण वर्तमान में यह स्थल 1980 से यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में सम्मिलित किया गया है। और इसके प्राचीन वैभव को ढूँढने, संरक्षित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। प्राचीन तक्षशिला के खंडहरों को खोज निकालने का प्रयत्न सबसे पहले जनरल कनिंघम ने शुरू किया था, किन्तु ठोस काम 1912 ईस्वी के बाद ही भारतीय पुरातत्व विभाग की ओर से सर जॉन मार्शल के नेतृत्व में शुरू हुआ और अब उसके कई स्थानों पर छितरे हुए अवशेष खोद निकाले गए हैं।

यहां के खंडहरों से अनेक बहुमूल्य रत्न तथा आभूषण प्राप्त हुए। जिससे इस नगरी के इस भाग की समृद्धि का पता चलता है। सिरसुख कुषाण राजाओं के समय की तक्षशिला है, एक चौकोर नक्शे पर बना हुआ था। इन तीन नगरों के खंडहरों के अतिरिक्त तक्षशिला के भग्नावशेषों में अनेक बौद्ध बिहारों की नष्ट-भ्रष्ट इमारतें और कई स्तूप हैं, जिनमें कुणाल, धर्मरालिक और भल्लार मुख्य हैं। इन प्रमाणों से बौद्धकाल में इस नगरी का बौद्ध धर्म का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र होना प्रमाणित होता है। तक्षशिला प्राचीन काल में जैनों की भी तीर्थस्थली थी। पुरातन प्रबंधसंग्रह नामक ग्रंथ में तक्षशिला के अंतर्गत 105 जैन-तीर्थ बताए गए हैं। इसमें कोई शक नहीं कि इस खोज से प्राचीन गांधार के भौतिक इतिहास को एक नया आयाम मिला है। और प्राचीन भारत की अपार संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, ज्योतिष, खगोल, गणित, वास्तुकला और चिकित्सा के क्षेत्र में महान योगदान की भी पुष्टि हुई है।

वर्ग पहेली नं. 3319

1	■	2		3	■	4		5	
	■		■	6	7		■		■
8	9		10			■	11		
12		■	13		■	14			■
■	15			■	16		■	17	18
■		■	19			■	20	■	
21		22		■		■	23	24	
	■		■	25		26	■		■
27					■	28			

बायें से दायें:- 2) ख़ुदा, 4) एक कवचधारी तिलहन फल, 6) मज़बूर, 8) रौनक़, 11) पागल, 12) गंदगी, 13) उत्तर, 14) अल्प-भार, 15) पैदावार, 16) पहुँचा, 17) एक ग्रह, 19) पुनरागत, 21) निरा-करण, 23) प्रश्न, 25) समस्या, 27) अत्यधिक धनी, 28) माधुर्यपूर्ण.

ऊपर से नीचे:- 1) एक मिठाई, 2) खरा, 3) विष, 4) स्त्री, 5) यथासमय, 7) पैंतरा; रिवाज, 9) प्रतिज्ञापत्र, 10) मल्ल, 11) केश, 14) लज्जा, 16) लगभग, 18) पूर्णेच्छ; हर तरह से तृप्त, 20) काले रंग की एक पालतू मादा पशु, 21) पक्का रास्ता, 22) शक्तिशाली, 24) योग्य; उचित, 25) बुद्धि, 26) प्रेत.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

पा	बं	दी	■	■	आ	रो	प	■	डं
जी	■	म	रि	य	ल	■	र	क्ष	क
प	ल	क	■	ती	स	■	वा	■	■
न	र	■	द	म	■	मु	ह	ता	ज
■	ज	टि	ल	■	■	बा	■	र	मा
सी	ना	■	म	छी	म	र	■	ता	ना
धा	■	मा	ल	■	न	क	सी	र	■
सा	■	ज	ना	ब	■	बा	■	■	ठी
दा	य	रा	■	फ़ी	■	द	र्द	ना	क

सुडोकू-पहेली-3277

1				2	8	6		4
			5					
		5			4			
	7			9			8	
	8							
2							9	
		1	4		7			8
			9		6		3	
7		4						

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3276 का उत्तर

3	7	9	5	6	4	8	1	2
2	5	4	8	7	1	6	3	9
6	1	8	9	2	3	5	7	4
7	8	2	3	4	9	1	6	5
4	6	1	7	5	2	3	9	8
5	9	3	6	1	8	4	2	7
8	3	5	1	9	7	2	4	6
9	2	6	4	3	5	7	8	1
1	4	7	2	8	6	9	5	3

आई-पैक के कार्यालय पर ईडी की छापेमारी में ममता के हस्तक्षेप के खिलाफ सड़क पर उतरी भाजपा

आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल का विसर्जन तय : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के लिए काम करने वाली राजनीतिक परामर्श संस्था आई-पैक के कार्यालय में गत गुरुवार को ईडी की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा बाधा दिए जाने की घटना के खिलाफ विपक्षी भाजपा के कार्यकर्ताओं ने रविवार को कोलकाता में सड़क पर उतरकर विशाल पैदल मार्च निकाला और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में दोपहर में जादवपुर के 8बी बस स्टैंड से लेकर शुरू हुआ चार किलोमीटर लंबा यह पैदल मार्च देशप्रिय पार्क के पास समाप्त हुआ। इस मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शुभेंदु ने ममता सरकार पर जबर्दस्त हमला बोला और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल का विसर्जन तय है। शुभेंदु ने ममता पर केंद्रीय एजेंसी के काम में बाधा देने और ईडी अधिकारियों के हाथ से महत्वपूर्ण फाइलें छीनने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर तृणमूल के सभी चोरों को जेल भेजा जाएगा। शुभेंदु ने ममता को चोरों की रानी बताते हुए कहा कि यह बंगाल को बचाने की लड़ाई है। शुभेंदु ने कहा कि ईडी अधिकारियों को छापेमारी में जिस प्रकार से ममता, डीजीपी राजीव कुमार और कोलकाता के पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने बाधा दिया, हम इन तीनों लोगों को जेल में देखना चाहते हैं।

✒ 'ममता बनर्जी इस बार भवानीपुर से भी चुनाव हारेंगी'

एसआइआर का विरोध करने को लेकर घेरते हुए शुभेंदु ने कहा कि ममता और उनकी पूरी पार्टी इससे घबराई हुई है। उन्होंने यहां तक कहा कि एसआइआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगामी 14 फरवरी को जब बंगाल में फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित होगी तो तृणमूल कहेगी कि हम चुनाव ही नहीं लड़ेंगे। शुभेंदु ने यह भी कहा कि 2021 में नंदीग्राम की तरह ममता बनर्जी इस बार भवानीपुर से भी चुनाव हारेंगी। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि भाजपा भवानीपुर से चाहे जिसको भी उम्मीदवार बनाए, ममता को वहां से हराने का दायित्व मेरा है।

✒ 'बंगाल में अरबी संस्कृति को प्रवेश नहीं करने देंगे'

शुभेंदु ने यह भी आरोप लगाया कि ममता बनर्जी बंगाल में अरबी संस्कृति लाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हम किसी कीमत पर अरबी संस्कृति को बंगाल में प्रवेश नहीं करने देंगे। रैली में शामिल भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री पर ईडी की तलाशी के दौरान पुलिस की मदद से महत्वपूर्ण आपराधिक दस्तावेजों व डिजिटल उपकरणों को ईडी अधिकारियों के हाथों से छीनने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने संवैधानिक पद पर रहते हुए केंद्रीय एजेंसी के कार्य में गैरकानूनी हस्तक्षेप किया है।

'एसआईआर पर ममता के आरोप निराधार, मुख्यमंत्री के बाद शुभेंदु अधिकारी ने भी चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर लगाए गए आरोपों को 'निराधार' बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री पर राजनीतिक कारणों से एसआईआर प्रक्रिया को पटरी से उतारने का आरोप लगाया। शुभेंदु अधिकारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है और दावा किया कि एसआईआर से मतदाता सूचियों में व्याप्त भ्रष्टाचार- फर्जी प्रविष्टियों, दोहराव वाले नामों और घुसपैठियों का पर्दाफाश हो रहा है, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस की देखरेख में वर्षों से पाला-पोसा गया। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया 'तृणमूल की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रही है', इसीलिए मुख्यमंत्री इस तरह का हंगामा कर रही हैं। शुभेंदु अधिकारी ने पोस्ट में आरोप लगाया कि मैं एक बार फिर दोहराना चाहूंगा कि उनके दावे इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पटरी से उतारने का एक हताश प्रयास मात्र हैं, जो मतदाता सूचियों में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर कर रही है। इन सूचियों में फर्जी प्रविष्टियां, दोहराव वाले नाम और घुसपैठिओं के नाम थे, जिन्हें तृणमूल की देखरेख में वर्षों से पाला-पोसा गया। विपक्ष के नेता ने 10 जनवरी को मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लिखे अपने पत्र में मुख्यमंत्री की आपत्तियों को एसआईआर को बाधित करने का राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रयास बताया और निर्वाचन आयोग के इस कदम को राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बताया। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा इस कवायद को 'अनियोजित, असंवेदनशील और अमानवीय' बताना घोर अतिशयोक्ति से कम नहीं है, जिसे जनता में उन्माद पैदा करने और अपनी सरकार की विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है।

उत्तर बंगाल में 'बागान रिकॉर्ड' को वैध एसआईआर दस्तावेज के रूप में मंजूरी दी गई : शुभेंदु अधिकारी

भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि निर्वाचन आयोग ने राज्य के उत्तरी हिस्से के सात जिलों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए पहचान और निवास के वैध दस्तावेजों के रूप में चाय बागान और सिंकोना बागान रोजगार रिकॉर्ड के इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने 'एक्स' पर निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जारी किया गया 11 जनवरी का एक पत्र पोस्ट किया। अधिकारी द्वारा साझा किए गए पत्र में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग ने दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, अलीपुरद्वार, उत्तर दिनाजपुर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों में एसआईआर 2026 के लिए चाय बागान और सिंकोना बागान रिकॉर्ड को दस्तावेजों के रूप में स्वीकार करने पर कोई आपत्ति नहीं जताई है। अधिकारी ने इस फैसले को 'बड़ी जीत' बताते हुए कहा कि यह उत्तर बंगाल की लंबे समय से उपेक्षित आवाज़ों के लिए है। भाजपा नेता ने कहा कि यह मंजूरी उत्तरी बंगाल के उन जिलों पर लागू होती है, जहां हमारे मेहनती आदिवासी और वनवासी लोग और बागान श्रमिक दस्तावेजी बाधाओं और राज्य सरकार की लापरवाही के कारण लंबे समय से अपने लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित रहे हैं। अधिकारी ने इन क्षेत्रों के सभी पात्र मतदाताओं से आगे आकर अपने बागान रोजगार रिकॉर्ड का इस्तेमाल करते हुए मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार जनता की सच्ची शक्ति है और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।

आई पैक अभियान में शामिल लोगों की पहचान जानने के लिए ईडी को पत्र भेजेगी लालबाजार

पुलिस ने प्रतीक जैन के घर की रजिस्ट्री बुक की जब्त, कुछ लोगों को जारी नोटिस

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री के आरोपों के आधार पर आई पैक के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास और कार्यालय से कथित रूप से दस्तावेज चोरी के मामले में शामिल आरोपी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों की पहचान की प्रक्रिया कोलकाता पुलिस ने शुरू कर दी है। इस संबंध में और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए कोलकाता पुलिस अब प्रवर्तन निदेशालय को पत्र भेजने की तैयारी कर रही है। जांचकर्ताओं को पहले ही जानकारी मिल चुकी है कि गुरुवार को प्रतीक जैन के आवास पर हुई कार्रवाई का नेतृत्व ईडी के एक असिस्टेंट डायरेक्टर ने किया था। उनके साथ असिस्टेंट ऑफिसर स्तर के अधिकारी भी

मौजूद थे। हालांकि, वे अधिकारी कौन थे, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। इसी जानकारी को प्राप्त करने के उद्देश्य से कोलकाता पुलिस ई-मेल के माध्यम से ईडी को पत्र भेजने जा रही है। केवल ईडी अधिकारियों की पहचान ही नहीं, बल्कि केंद्रीय जांच एजेंसी की सुरक्षा में तैनात छह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की पहचान करने का प्रयास भी लालबाजार द्वारा किया जा रहा है। जांच में सामने आया है कि आई पैक प्रमुख के आवास पर हुई कार्रवाई के दौरान ईडी अधिकारियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी छह सीआरपीएफ कर्मियों के पास थी। उनकी पहचान जानने के लिए पुलिस सीआरपीएफ के पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय को भी ई-मेल भेजेगी। सूत्रों के अनुसार, यह भी जांच की जा रही है कि अभियान के दिन ईडी अधिकारियों ने आवासीय परिसर के रजिस्टर बुक में अपना नाम दर्ज किया था या नहीं। आवश्यकता पड़ने पर प्रतीक जैन, उनकी पत्नी और मां से भी पूछताछ की जा सकती है। इसी क्रम में लालबाज़ार ने संबंधित आवासीय परिसर के फेसेलिटी मैनेजर को भी तलब किया है।

चंपाहाटी विस्फोट मामले में एक की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के चंपाहाटी इलाके में एक पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट के मामले में शनिवार की देर रात एक घायल की अस्पताल में मौत हो गई। मृतक की पहचान गौरहरी गांगुली के रूप में हुई है। उन्हें गंभीर हालत में एमआर बांगुर अस्पताल, कोलकाता में भर्ती कराया गया था। परिवार सूत्रों के अनुसार, शनिवार की रात करीब 12:30 बजे गौरहरी की मौत हुई। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, युवक का शरीर 100 प्रतिशत झुलस चुका था। चिकित्सकों की तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। इसी विस्फोट में घायल हुए अन्य तीन लोगों का इलाज अभी जारी है। किशन अधिकारी नामक एक पटाखा फैक्ट्री कर्मचारी का एमआर बांगुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उनके शरीर का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा झुलसा है और उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। वहीं, विश्वजीत मंडल और राहुल पुई नामक दो अन्य घायलों का इलाज पंचसायर इलाके के पास स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, राहुल की हालत बेहद गंभीर है और उनका शरीर करीब 95 प्रतिशत तक झुलस चुका है। उल्लेखनीय है कि यह विस्फोट शनिवार की सुबह चंपाहाटी के हाराले इलाके में स्थित एक पटाखा कारखाने में हुआ था। विस्फोट की तीव्रता से एस्बेस्टस की छत उड़ गई और ईंट से बना कमरा पूरी तरह ढह गया था। आसपास के कुछ मकानों को भी नुकसान पहुंचा और कई पेड़ जल गए थे।

ममता ने गायक प्रशांत तमांग के निधन पर जताया दुख

कोलकाता, समाज्ञा : इंडियन आइडल फेम और मशहूर गायक प्रशांत तमांग के निधन पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संवेदना व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके तमांग के असमय निधन पर दुख जताया। उन्होंने लिखा कि इंडियन आइडल' फेम के मशहूर सिंगर और राष्ट्रीय स्तर के कलाकार प्रशांत तमांग के आज अचानक और असमय निधन से बहुत दुख हुआ। ममता ने लिखा कि तमांग का संबंध दार्जिलिंग की पहाड़ियों से था और कोलकाता पुलिस के साथ उनके जुड़ाव ने उन्हें बंगाल में हमारे लिए और भी खास बना दिया था। मैं उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत फैंस के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं।

बैठकखाना में रहस्यमय परिस्थितियों में बुजुर्ग की मौत, अर्धनग्न शव बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में एक बुजुर्ग की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। अम्हर्स्ट स्ट्रीट थाना क्षेत्र में स्थित एक घर का दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया। उनके शरीर के निचले हिस्से पर कोई वस्त्र नहीं थे और चोट के कोई निशान नहीं मिले। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान अमिताभ दे (62) के रूप में हुई है। वह चिंतामणि दास लेन स्थित दो मंजिला मकान में अकेले रहते थे। बताया गया है कि शनिवार की सुबह से उनके घर पर उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया था। बुजुर्ग व्यक्ति के भतीजे देबाशीष दाव ने पुलिस को बताया कि उन्होंने आखिरी बार अमिताभ से 7 जनवरी को बात की

थी। शनिवार से कई बार फोन करने के बावजूद बुजुर्ग व्यक्ति ने फोन नहीं उठाया। देबाशीष घर तक गए और बाहर से बार-बार उन्हें आवाज दी। फिर भी घर से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद, उन्होंने पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही अम्हर्स्ट स्ट्रीट थाने के अधिकारी मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़ दिया। उन्होंने बुजुर्ग व्यक्ति को भूतल के बैठक कक्ष में फर्श पर पड़ा पाया। उनके शरीर के निचले हिस्से पर कोई वस्त्र नहीं थे। उन्हें तुरंत उठाकर कलकत्ता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की गड़बड़ी या हाथापाई का कोई सबूत नहीं मिला है। साथ ही, बुजुर्ग व्यक्ति की मृत्यु के संबंध में अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है। पुलिस ने अप्राकृतिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही मृत्यु का वास्तविक कारण पता चलेगा। हालांकि, पुलिस ने कहा है कि उनके घर से कोई आत्महत्या नोट नहीं मिला है।

एसआईआर : सुनवाई में पहुंचे जेयू के कुलपति, प्रक्रिया पर उठाए गंभीर सवाल

कोलकाता, समाज्ञा : एसआईआर सुनवाई के सिलसिले में जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) के कुलपति एवं पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष चिरंजीब भट्टाचार्य रविवार को उप-स्थित हुए। वे जादवपुर के कात्जुनगर स्थित स्वर्णमयी विद्यालय में आयोजित सुनवाई में शामिल हुए। हालांकि, पूरे घटनाक्रम को लेकर कुलपति ने नाराजगी और असंतोष जताया। सुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत में चिरंजीब भट्टाचार्य ने कहा, यह दुर्भाग्यजनक है। इतने लोगों को बुलाया जा रहा है, इसका कोई मतलब नहीं है। उन्होंने संकेत दिया कि पूरे मामले में अनावश्यक रूप से कई व्यक्तियों को तलब किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि चिरंजीब भट्टाचार्य ने वर्ष 1983 में लेकटाउन के एक विद्यालय से माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की थी। वर्तमान शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु उनसे दो वर्ष जूनियर रहे हैं और वे भी उसी विद्यालय में पढ़ते थे। इसके बाद चिरंजीब भट्टाचार्य ने जादवपुर विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की और लंबे समय तक वहीं अध्यापन कार्य किया। वर्तमान में वे जादवपुर विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ-साथ पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष पद पर भी कार्यरत हैं। उनका निवास कोलकाता नगर निगम के वार्ड संख्या 93, जादवपुर स्थित 21ए नॉर्थ रोड में है। कोलकाता में शिक्षा, पालन-पोषण और एक लंबे, सफल शैक्षणिक करियर के बावजूद एसआईआर सुनवाई के लिए तलब किए जाने पर उन्होंने स्पष्ट रूप से असंतोष व्यक्त किया।

राज्य में बदली भाजपा की चुनावी रणनीति, स्थानीय मुद्दों को लेकर घर-घर पहुंचेगी पार्टी

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी प्रचार रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। अब केवल हिंदुत्व या ध्रुवीकरण की राजनीति पर निर्भर रहने के बजाय भाजपा राज्य की प्रत्येक विधानसभा सीट से जुड़े स्थानीय मुद्दों को सामने रखकर जनता के बीच पहुंचने की तैयारी में है। इसी रणनीति के तहत पार्टी ने विधानसभा-वार चार्जशीट तैयार की है, जो काफी हद तक वाम मोर्चा, विशेषकर सीपीएम की प्रचार शैली से मिलती-जुलती बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, बंगाल भाजपा के चुनावी पर्यवेक्षक भूपेंद्र यादव के सुझाव पर यह नई रणनीति अपनाई गई है। राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों के लिए अलग-अलग चार्जशीट तैयार की जा रही हैं, जिनमें सड़क, जलनिकासी, उद्योग, स्वास्थ्य सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं को प्रमुख मुद्दा बनाया गया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए दो पन्नों की चार्जशीट बनाई गई है। भाजपा नेतृत्व के मुताबिक, हावड़ा के शिवपुर, पुरुलिया के बागमुंडी, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी समेत कई क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं को इन चार्जशीटों में शामिल किया गया है। पार्टी के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं के जरिए इन चार्जशीटों को घर-घर पहुंचाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। केंद्रीय नेतृत्व इससे पहले भी राज्य इकाई को स्थानीय मुद्दों पर आंदोलन तेज करने की सलाह देता रहा है, लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान बूथ स्तर पर संगठन कमजोर होने के कारण इसका अपेक्षित असर नहीं दिख सका था। हालांकि, 2026 के चुनाव से पहले संगठनात्मक ढांचे में कुछ मजबूती आई है, फिर भी बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता को लेकर पार्टी के भीतर संशय बना हुआ है। इसी पृष्ठभूमि में भाजपा ने इस बार विधानसभा-वार स्थानीय मुद्दों को केंद्र में रखकर आक्रामक अभियान चलाने पर जोर दिया है। जानकारी के अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 20 से 25 प्रमुख समस्याएं जिला स्तर के नेताओं से एकत्र की गईं, जिनके आधार पर पार्टी की चार्जशीट तैयार की गई है। इस नई रणनीति को राजनीतिक हलकों में 'प्रचार कौशल में राम-वाम गठजोड़' के रूप में भी देखा जा रहा है।

समिक भट्टाचार्य ने राज्य में 'समानांतर सरकार' और संवैधानिक संकट का आरोप लगाया

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश भाजपा अधयक्ष समिक भट्टाचार्य ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य में 'समानांतर सरकार' चल रही है और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शासन में संवैधानिक शासन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। इस दिन, साल्टलेक स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि चुनी हुई सरकार अब वास्तविक अधिकार का प्रयोग नहीं कर पा रही है। भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि 'संवैधानिक ढांचे से बाहर कोई व्यक्ति या निजी एजेंसी' लंबे समय से प्रशासन चला रही है, पुलिस को निर्देश जारी कर रही है और पंचायत संबंधी निर्णयों को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कुर्सी पर बैठी हैं, लेकिन सरकार कहीं और से चलाई जा रही है। यह न केवल गैरकानूनी है, बल्कि बंगाल की जनता के साथ विश्वासघात है। भट्टाचार्य ने कथित कोयला घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा एक निजी कार्यालय पर की गई छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप पर सवाल उठाया। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि ममता ने वरिष्ठ नौकरशाहों और पुलिस महानिदेशक की मदद से केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों से जबरन 'हरी फाइल' छीन ली। सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका जताते हुए भट्टाचार्य ने सवाल उठाया कि क्या फाइलों में कोयला घोटाले, हवाला लेनदेन और गोवा से जुड़े धन के लेन-देन से संबंधित कोई जानकारी है। भट्टाचार्य ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों द्वारा आधिकारिक तौर पर स्वीकार किए

गए दस्तावेजों से कहीं अधिक दस्तावेज हटाए गए होंगे। उन्होंने पूछा कि आईपीएस अधिकारियों और राज्य द्वारा मुहैया कराए गए अंगरक्षकों को किराए के बाउंसरों की तरह क्यों इस्तेमाल किया गया? भाजपा नेता ने शनिवार को पुरुलिया से लौटते समय विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी पर हुए कथित हमले की भी निंदा की। भट्टाचार्य ने दावा किया कि राज्य प्रशासन के शीर्ष अधिकारी पार्टी कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रहे हैं और उन पर असंवैधानिक कृत्यों में सहायता करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के बाद साल्टलेक स्टेडियम में हुई अराजकता पर भाजपा नेता ने कहा कि डीजीपी को केवल 'दर्शकों को धन वापसी का सुझाव देने' के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। भाजपा नेता ने राज्य सरकार पर केंद्र सरकार की कल्याणकारी और अवसंरचना परियोजनाओं, जिनमें 43 रेलवे परियोजनाएं और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना शामिल हैं, को बाधित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि आयुष्मान कार्ड लागू न होने के कारण पश्चिम बंगाल के लगभग 40 लाख प्रवासी श्रमिकों को राज्य के बाहर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। भट्टाचार्य ने आगे आरोप लगाया कि निवेश और सुरक्षा की कमी के कारण 3,500 से अधिक कंपनियों ने अपने मुख्यालय पश्चिम बंगाल से बाहर स्थानांतरित कर दिए हैं और सुरक्षा तथा निवेश के अभाव में विद्यार्थियों और श्रमिकों का पलायन हुआ है। तृणमूल सरकार को 'निरंकुश', संविधान विरोधी और प्रतिशोध में लिप्त बताते हुए भट्टाचार्य ने दावा किया कि पिछले 14 वर्षों में राज्य में 300 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की जा चुकी है और विपक्ष की आवाज को सुनियोजित तरीके से दबाया जा रहा है।

मुर्शिदाबाद में स्कूल में फंदे से लटका मिला बीएलओ

परिवार ने एसआईआर को लेकर दबाव का लगाया आरोप

मुर्शिदाबाद : मुर्शिदाबाद जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) का शव स्कूल के अंदर फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान हमीमुल इस्लाम के रूप में हुई है। वे पैकमारी चार कृष्णापुर बॉयज प्राइमरी स्कूल में शिक्षक थे। इसके साथ ही वे खरीबोना ग्राम पंचायत के अंतर्गत पूर्वा अलाइपुर गांव के एक मतदान केंद्र में बीएलओ के तौर पर भी काम कर रहे थे। मामले में रणीतला थाना पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार की देर रात सामने आई। स्थानीय लोगों ने पैकमारी चार इलाके में स्कूल के अंदर एक कमरे में उनका शव देखा और पुलिस को सूचना दी। वहीं,

परिवार के सदस्यों ने बताया कि हमीमुल इस्लाम शनिवार की सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन दोपहर तक वापस नहीं लौटे। इसके बाद, जब काफी देर तक उनका कोई पता नहीं चला तो परिवार और स्थानीय लोगों ने उनकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद शनिवार की रात उनका शव स्कूल परिसर के एक कमरे में फांसी पर लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, मामले में मृतक के परिवार का आरोप है कि हमीमुल इस्लाम पर काम का बहुत ज्यादा मानसिक दबाव था। वे एक तरफ स्कूल में शिक्षक की जिम्मेदारी निभा रहे थे और दूसरी तरफ बीए-लओ के रूप में चुनाव से जुड़ा काम भी कर रहे थे। परिवार का कहना है कि हाल के दिनों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े काम का दबाव काफी बढ़ गया था। इसी वजह से वे लगातार तनाव में रहते थे। घटना के बाद भगवानगोला से तृणमूल कांग्रेस के विधायक रियाज हुसैन सरकार मृतक के घर पहुंचे और परिवार से मुलाकात की। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

बंगाल विधानसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर जल्द होगा फैसला : बीके हरिप्रसाद

कोलकाता, समाज्ञा : कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी (पश्चिम बंगाल) के चेयरमैन बीके हरिप्रसाद ने रविवार को कहा कि स्क्रीनिंग कमेटी की पहली मीटिंग रविवार को हुई। उन्होंने बताया कि पार्टी हाईकमान जल्द ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी लीडरशिप के साथ मीटिंग करेगा ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव की स्ट्रैटेजी को फाइनल किया जा सके। हरिप्रसाद ने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर यह हमारी पहली मीटिंग थी। बंगाल जाकर पूरी प्रक्रिया फाइनल करने से पहले हम बंगाल प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष के साथ कोऑर्डिनेट करेंगे। बता दें कि गत 4 जनवरी को, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने राज्य में असेंबली चुनावों को देखते हुए बी.के. हरिप्रसाद को वेस्ट बंगाल स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरपर्सन घोषित किया। कमेटी बनने के बाद से पहली मीटिंग रविवार को हुई।

NOTICE INVITING e-TENDER

Ref. e-NIT NO.- 2026_ZPHD_986783_1 to 6.

An e-Tender **(Notice Memo no- 97/K-II BDO, Date: 09.01.2026)** containing six number schemes for construction work under Kalna-II Development Block, Purba Bardhman has been flotaed amounting to **Rs. 14.07850 lakh.**

Bid Submission end on :-**05/02/2026 at 04.45 P.M.**

Log on Gov. Website: **www.wbtenders.gov.in**

Please look for details in the undersigned office notice board.

Sd/-
Block Development Officer
Kalna-II Development Block
Singerkone, Purba Bardhaman

कोलकाता से तारापीठ जा रही पर्यटकों से भरी गाड़ी पलटी, 30 घायल

पूर्व बर्दवान : कोलकाता से तारापीठ जा रही पर्यटकों से भरी एक ट्रैवलर गाड़ी रविवार की सुबह आउशग्राम इलाके में हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना में चालक समेत कम से कम 30 लोग घायल हो गए हैं। यह हादसा सुबह करीब 8 बजे, भेड़िया फ्लाईओवर पर चढ़ते समय हुआ। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, ट्रैवलर गाड़ी बर्दवान-बोलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 114 से होते हुए बोलपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान सामने से आ रही एक अन्य गाड़ी से उसकी सीधी टक्कर हो गई, जिससे ट्रैवलर अनियंत्रित होकर पलट गई। दूसरी गाड़ी में चार यात्री सवार थे। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में सवार लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही

स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को इलाज के लिए बोलपुर सियान महकमा अस्प-ताल भेजा गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, दोनों चालकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए इलाके में यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

www.samagya.in
विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
• MATRIMONIAL • EDUCATION • OBITUARY
• PROPERTY • NAME CHANGE • REMEMBRANCE
• RECRUITMENT • PUBLIC NOTICE • DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

अवैध निर्माण से घर में दरारें, हाई कोर्ट का प्रभावित परिवार को 10 लाख मुआवजे देने का निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट ने अवैध निर्माण के कारण पड़ोसी मकान को हुए गंभीर नुकसान के मामले में अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने प्रभावित परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति कौशिक चंद ने पारित किया। मामले के अनुसार, करीब तीन वर्ष पूर्व हुगली जिले के श्रीरामपुर नगरपालिका के वार्ड संख्या 15 स्थित एससी घोष लेन में एक निजी आवासीय परियोजना का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। निर्माण शुरू होते ही आसपास के कई मकानों में दरारें दिखाई देने लगीं। आरोप है कि क्षेत्र के प्रभावशाली प्रमोटर के भय से कई स्थानीय निवासी सामने आकर शिकायत दर्ज कराने से हिचकिचाते रहे। हालांकि निर्माण स्थल से सटे मकान के मालिक देवप्रसाद बसाक का घर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। देवप्रसाद बसाक ने सबसे पहले श्रीरामपुर नगरपालिका को मामले की जानकारी दी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकलने पर उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। यह मामला पहले न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की अदालत में सुनवाई के

लिए आया, जहां अवैध निर्माण को गिराने का आदेश दिया गया। बाद में न्यायमूर्ति कौशिक चंद ने उस आदेश को बरकरार रखा। आरोप है कि अदालत के निर्देशों के बावजूद श्रीरामपुर नगरपालिका ने समय पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। इस बीच निर्माण कंपनी के मालिक संतोष चौधरी ने फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की, जिसे सिंगल बेंच ने खारिज कर दिया। इसके बाद मामला डिवीजन बेंच में पहुंचा, जहां न्यायमूर्ति देवांशु बसाक की अध्यक्षता वाली पीठ ने तथ्यों को छिपाने के आरोप में निर्माण कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए याचिका खारिज कर दी। इसके बाद, निर्माण कंपनी ने न्यायमूर्ति कौशिक चंद की अदालत में फैसले की पुनर्विचार याचिका दाखिल की। वहीं प्रभावित पक्ष की ओर से अधिवक्ता आशीष कुमार चौधरी ने दलील दी कि अवैध निर्माण के कारण परिवार के आवास को भारी नुकसान पहुंचा है, इसलिए उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति कौशिक चंद ने श्रीरामपुर नगरपालिका को निर्देश दिया कि किसी निष्पक्ष एजेंसी से क्षतिग्रस्त मकान के नुकसान का आकलन कराकर उसकी रिपोर्ट अदालत में पेश की जाए। सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर हाई कोर्ट ने प्रभावित परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा देने का अंतिम आदेश पारित किया।

मेट्रो में फिर आत्महत्या की कोशिश, ब्लू लाइन पर सेवा में आंशिक व्यवधान

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता मेट्रो में एक बार फिर आत्महत्या की कोशिश की घटना सामने आई है, जिसके चलते रविवार की शाम मेट्रो सेवाएं प्रभावित रहीं। इस वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और मेट्रो सेवाएं आधे रास्ते तक ही सीमित कर दी गईं। कोलकाता मेट्रो रेलवे के अनुसार, रविवार की शाम 6:32 बजे नेताजी भवन मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति ने आत्महत्या करने की कोशिश की। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षा और आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं। घटना के बाद सुरक्षा कारणों से मेट्रो सेवाओं में बदलाव किया गया। सेवाएं बाधित होने के कारण स्टेशन परिसरों और प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भीड़ देखी गई। कई यात्रियों को वैकल्पिक परिवहन का सहारा लेना पड़ा। मेट्रो प्रशासन की ओर से स्थिति सामान्य करने की कोशिश की गई।

सतर्क आरपीएफ कर्मियों ने नोआपाड़ा मेट्रो स्टेशन पर लौटाया यात्री का खोया हुआ बैग

कोलकाता, समाज्ञा : नोआपाड़ा मेट्रो स्टेशन पर आरपीएफ के सतर्क जवानों ने ईमानदारी का परिचय देते हुए एक मेट्रो यात्री का खोया हुआ बैग सुरक्षित रूप से उसे लौटा दिया। जानकारी के अनुसार, 10 जनवरी को शाम करीब 7:30 बजे नियमित गश्त के दौरान नोआपाड़ा मेट्रो स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ कर्मी को एक लावारिस बैग मिला। उक्त बैग को तत्काल स्टेशन मास्टर कार्यालय में जमा कराया गया। बैग की जांच करने पर उसमें कुछ कीमती सामान पाए गए। इसके बाद स्टेशन मास्टर द्वारा बैग के मालिक का पता लगाने के लिए बार-बार सार्वजनिक उद्घोषणाएं की गईं तथा सभी मेट्रो स्टेशनों को नियंत्रण कक्ष के माध्यम से सूचना भी भेजी गई। कुछ समय पश्चात एक यात्री स्टेशन मास्टर कार्यालय पहुंचा और बैग पर अपना दावा प्रस्तुत किया। उचित सत्यापन एवं सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बैग को उसके भीतर मौजूद सभी सामान के साथ संबंधित यात्री को सौंप दिया गया। बैग प्राप्त होने पर यात्री ने मेट्रो रेलवे प्रशासन एवं आरपीएफ कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनकी त्वरित सहायता और ईमानदारी की सराहना की।

जागृति हावड़ा ने गंगासागर सेवा शिविर का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जागृति हावड़ा द्वारा गंगासागर सेवा शिविर का आयोजन बड़े पैमाने पर किया गया है। जागृति हावड़ा हावड़ा स्टेशन के समीप एक मात्र गंगासागर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए सेवा शिविर है। इस सेवा शिविर में तीर्थयात्रियों के लिए सुबह, दोपहर, शाम और रात्रि का नाश्ता एवं स्वादिष्ट भोजन की उत्तम व्यवस्था संस्था द्वारा किया गया है। फर्स्ट एड की व्यवस्था भी शिविर में तीर्थयात्रियों के लिए किया गया है। गंगासागर जाने के लिए शिविर के पास से बसों की व्यवस्था है। हावड़ा स्टेशन के समीप होने और पूरे सेवा भाव से अच्छी व्यवस्था होने के कारण यहां हर साल बहुत अधिक संख्या में तीर्थयात्रियों आगमन होता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष पवन अग्रवाल,

उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, सचिव महेंद्र साव, सह-सचिव तरुण साव, रविंदर सिंह, शिवजी राय, पारस शर्मा, राजेश साव, विजय साव, अरुण साव, प्रेम साव, बिरजू खंडेलवाल, दिनेश खंडेलवाल, संतोष, प्रभास, कैलाश शर्मा, गोपाल सिंह, अरविंद गोयनका, राजेश सिंह, गणेश प्रसाद, श्याम सिन्हा, सुभाष चौधरी, उमेश साव, सोहन साव, राजेंद्र सोनकर और चंडी की भूमिका सराहनीय रही।

बिनायक एन्क्लेव मैदान में रुद्राभिषेक

कोलकाता, समाज्ञा : बिनायक एन्क्लेव मैदान में दो दिनों का धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। पहले दिन बनारस से आये आचार्य पंडितों द्वारा नर्मदेश्वर शिवलिंग का महारूद्रभिषेक पूरे विधि विधान एवं मंत्रोचार के साथ किया गया। पूजा पाठ के बीच हर हर महादेव के उद्घोष से पूरा का पूरा पंडाल भक्ति भाव से भर जाता। अंचल के लोग एवं विनायक एनक्लेव के निवासियों ने मंत्र मुग्ध होकर पूजा का आनंद लिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि पंडाल में भक्ति सरिता प्रवाहमान है। इस कार्यक्रम में मुख्य यजमान बराहनगर म्युनिसिपल्टी के उपाध्यक्ष दिलीप नारायण बोस (सुनु) थे, जिन्होंने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ रुद्राभिषेक किया।श्री विष्णु सहश्रनाम पाठ तथा श्री ललिताम्बा पूजन भी किया गया। भक्तों के लिए भजन कीर्तन का आयोजन भी किया गया, जिसका सभी ने भरपूर आनंद उठाया। भक्तों के लिए प्रसाद के साथ जलपान एवं स्वादिष्ट भोजन की भी व्यवस्था की गयी थी। इस कार्यक्रम को सफल स्वरूप देने में सहभागी संस्था बिनायक एन्क्लेव अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों कौस्तभ घोष, गौतम दत्ता, अजीत शर्मा, अमित भादुड़ी, अमित जैन, रतन झा व अन्य की भूमिका सराहनीय रही।

कोलकाता में फैशन शो में दिव्यांग बच्चों सहित 70 से अधिक महिलाओं ने रैंप पर किया कैटवाक

✒ एक दर्जन महिलाओं को नारी सम्मान पुरस्कार से किया गया सम्मानित

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय सेना की वीरता व महिलाओं के सम्मान में सकमन भाग्य फाउंडेशन और मगध प्रोडक्शन की ओर से शनिवार को कोलकाता में नारी मिशन शक्ति पर केंद्रित फैशन शो व नारी सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें दिव्यांग बच्चों के साथ 70 से अधिक महिलाओं ने रैंप पर कैटवाक कर अपना जलवा बिखेरा। स्प्रिंग क्लब में आयोजित इस भव्य रंगारंग समारोह में करीब एक दर्जन महिलाओं को नारी सम्मान पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय सेना सहित विभिन्न विभागों के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के आयोजक व सकमन भाग्य फाउंडेशन के डायरेक्टर आशुतोष कुमार ने बताया कि प्रतिष्ठित हस्तियों की मौजूदगी में फैशन शो में बंगाल सहित विभिन्न राज्यों से आईं युवा महिला प्रतिभागियों ने रैंप पर कैटवाक किया। समारोह में विशेष तौर पर आमंत्रित केरल से आए 40 से अधिक दिव्यांग बच्चे भी कार्यक्रम के गवाह बने और फैशन शो में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसको सभी ने सराहा। उन्होंने बताया कि नेशनल फैशन शो का यह छठा संस्करण था। कोलकाता में यह लगातार दूसरे साल हुआ है। इससे पहले चार बार दिल्ली में यह फैशन शो आयोजित हुआ था। कार्यक्रम के आयोजन में कोल इंडिया लिमिटेड, निफ़्ट, एफडीडीआइ व अन्य संस्थानों का सहयोग रहा।

नागरिक स्वास्थ्य संघ एवं खरकिया परिवार ने 108 नागरिकों की मोतियाबिंद का कराया ऑपरेशन

कोलकाता, समाज्ञा : नागरिक स्वास्थ्य संघ ने खरकिया परिवार के सहयोग से 108 नागरिकों की आंख में मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया। प्रमुख अतिथि जगतगुरु स्वामी परमात्मानंद गिरी महाराज, डॉ. गोविन्द राजगढ़िया, समाजसेवी संजय सारडा, सेवा शिविर के उद्घाटनकर्ता सांवर लाल खरकिया, रमेश खरकिया, सुशील, रामगोपाल, घनश्याम, राजेन्द्र, अरुण, मनोज गुप्ता, खरकिया परिवार के सदस्यों का स्वागत संघ के उपाध्यक्ष इन्द्र कुमार डागा, सचिव विकास चन्द चांडक, गोवर्धन मूंधड़ा, अविनाश गुप्ता, आलोक दम्मानी, शंकरलाल सोमानी, श्रीबल्लभ दुजारी, विजय बागड़ी, बिमल बालासिया एवं

कार्यकर्ताओं ने किया। स्वामी परमात्मानंद गिरी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि सेवा परमो धर्म, मानव सेवा से धर्म के प्रति कर्तव्य बोध होता है। नेत्र चिकित्सा एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता जरूरी है। डॉ. गोविन्द राजगढ़िया ने संघ के अध्यक्ष कुंजबिहारी अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता के मार्गदर्शन में नागरिक स्वास्थ्य संघ के सेवाकार्यों की सराहना की। सांवरलाल खरकिया एवं अतिथियों ने रोगियों को कम्बल वितरण करते हुए उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामना दी। गणेश प्रसाद लाखोटिया, गोपी मूंधड़ा, पवन बागड़ी, हरि मीमानी एवं कार्यकर्ता सेवा शिविर की सफलता के लिये सक्रिय रहे।

वार्ड 63 में पार्षद सुष्मिता भट्टाचार्य ने महिलाओं के साथ की बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : वार्ड 63 की पार्षद और बोरो 7 की चेयरपर्सन सुष्मिता भट्टाचार्य और तृणमूल महिला उपाध्यक्ष गुड़िया ने कोलकाता के 7, नंबर सय्याद इस्माइल लेन, कोलकाता की बिल्डिंग की छत पर कोलिन लेन, कोलिन स्ट्रीट, कलनगा की महिलाओं के साथ बैठक और चर्चा की, जिसमें इलाके की महिला मतादाताओं का पूरा ध्यान रखने पर ज़ोर दिया गया और आने वाले विधानसभा चुनाव पर भी चर्चा हुई, जिसे खुद पार्षद और बोरो 7 की चेयरपर्सन सुष्मिता भट्टाचार्य ने गाइड किया। इस मौके पर दूसरे इलाकों से आई महिलाओं ने भी हिस्सा लिया और अपनी पार्षद की बातों को बड़े ध्यान से सुना और उसके हिसाब से काम करने का वादा किया।

तीर्थयात्रियों की सेवा मानव सेवा है : बृजमोहन बेरीवाल

कोलकाता, समाज्ञा : हरियाणा नागरिक संघ के आउट्राम घाट स्थित गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर के उद्घाटनकर्ता समाजसेवी बृजमोहन बेरीवाल, समारोह अध्यक्ष सज्जन बंसल, प्रमुख अतिथि पवन अग्रवाल, डॉ. सांवर धनानिया, महेश अग्रवाल, प्रमोद धनानिया एवं विशिष्ट अतिथियों ने सेवाकार्य की सराहना करते हुए कहा कि तीर्थयात्रियों की सेवा मानव सेवा है। संस्था के अध्यक्ष बाबूलाल धनानिया, उपाध्यक्ष शंकरलाल कारीवाल, सचिव गोरधन निगानिया ने कहा कि हजारों तीर्थयात्रियों के लियेसेवा शिविर में आवास, भोजन, दूध, चाय-नाश्ता, पुड़ी - सब्जी, भोजन - कच्ची रसोई, प्राथमिक चिकित्सा, मोबाइल चार्ज की व्यवस्था की गई है। तीर्थयात्रियों की

सेवार्थ 56 वर्षों से कार्यकर्ता कर्तव्य निष्ठा से समर्पित हैं। संस्था के चेयरमैन सुरेश गुप्ता ने सहयोगी कार्यकर्ताओं की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। सुभाष जैन, गोविंदराम ढानेवाल, श्याम सुन्दर जिन्दल, देवराज रावलवासिया, अनिल अग्रवाल, जगदीश प्रसाद गोयल, रामस्वरूप खोरडिया, घीसाराम गोयल, शिविर संयोजक द्वारिका प्रसाद अग्रवाला, कमलेश कुमार हेतमपुरिया, मोहन गोयल, नवीन कानोड़िया, विजय खोरड़ीया, विकाश गोयल, राजेश गोयल एवं कार्यकर्त्ता सेवा शिविर में सक्रिय हैं।

आरपीएफ ने मिशन सेवा के तहत घायलों को बचाया, चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा एवं सियालदह मंडलों की रेलवे सुरक्षा बल टीम ने 10 जनवरी को त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच घायल एवं बीमार व्यक्तियों को बचाकर समय पर सहायता प्रदान की। इनमें पुरुष एवं महिला यात्री शामिल हैं। आरपीएफ कर्मियों ने मौके पर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया तथा सभी पीड़ितों को आगे के इलाज के लिए नजदीकी सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार, तीन पुरुष विभिन्न

स्थानों पर घायल अवस्था में पाए गए। ये घटनाएं शक्तिगढ़-गुराप के बीच, सोदपुर तथा बांगांव-चांदपाड़ा रेलवे स्टेशनों के बीच सामने आईं। इसके अतिरिक्त, दो महिला यात्री यात्रा के दौरान अस्वस्थ पाई गईं, जिन्हें तारकेश्वर तथा हावड़ा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा सहायता प्रदान की गई। मिशन सेवा के तहत आरपीएफ कर्मियों की यह त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई पूर्व रेलवे की यात्री सुरक्षा, देखभाल तथा मानवीय सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कलकत्ता वस्त्र व्यवसायी सेवा समिति गंगासागर मेला सेवा कार्य में सक्रिय

सागर, समाज्ञा : कलकत्ता वस्त्र व्यवसायी सेवा समिति की ओर से गंगासागर स्थित स्वर्ग आश्रम में प्रत्येक वर्ष कि भांति इस वर्ष भी गंगासागर मेला सेवा शिविर सेवा कार्य 8 जनवरी से प्रारम्भ है। देश देशांतर से आने वाले तीर्थयात्रियों के सेवार्थ समिति के सेवा शिविर में नि:शुल्क आवास, चाय बिस्कुट, नास्ता भोजन एवं प्राथमिक चिकित्सा की सेवा उपलब्ध है। समिति अध्यक्ष महेन्द्र कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष सीताराम वर्मा, मुरारी लाल सराफ, सचिव नन्दकिशोर भूतड़ा, दयानंद गुप्ता, मेला संयोजक बजरंगलाल, राजेश कुमार गुप्ता, महिला कार्यकर्ता सरिता पसारी सदस्य, राजकुमार पसारी, सुशील कुमार मिमाणी, सुरेन्द्र कुमार शर्मा, मुकेश कुमार गुप्ता, मनोज तिवारी, भंवर लाल बिहानी, राम अधार प्रजापति सेवा कार्य में सक्रिय हैं।

समिति के 60 कार्यकर्ताओं का तीसरा जत्था समिति के वरिष्ठ सदस्य प्रदीप कुमार चिरानियां के साथ बड़ाबजार महात्मा गांधी रोड गुरू द्वारा से बस द्वारा सुबह 7 बजे प्रस्थान करेगा। इस जत्थे में महिला कार्यकर्ता सरला भूतड़ा, उमा अग्रवाल, कविता करनानी, कविता गुप्ता, कुसुम मोहता, सूरज देवी राजपुरोहित, सदस्य विवेक अग्रवाल, अरुण कुमार बागडोदिया, सुनील गुप्ता, आर्यमान चौधरी, गोरधन सिंह राजपुरोहित, अनिल गोयल, शिवकुमार मोहता, राकेश कुमार शर्मा, निरज अग्रवाल, राहुल जैन, शिवकुमार मोहता, राकेश कुमार शर्मा, निरज अग्रवाल, राहुल जैन सहित अनेक कार्यकर्ता प्रस्थान करेंगे।

जिसे सब में भगवान दिखने लगे उसे पूजा पाठ की जरूरत नहीं : प. शंभुशरण लाटा

राम राज्याभिषेक के उल्लास के साथ नव-दिवसीय श्रीराम कथा सम्पन्न

हावड़ा, समाज्ञा : जीवन को सुंदर बनाने की दो सीढ़ी है। पहली सीढ़ी बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर भाव और दूसरी सीढ़ी सबको नमन करने का भाव हो, छोटे-बड़े सबके प्रति।सबमें भगवान दिखे, जीवन सुन्दर हो जायेगा। फिर, अलग से पूजा - पाठ करने की जरूरत नहीं है। व्यापारी दुकान पर बैठा है उसको ग्राहक में भगवान दिखने लग जायें। जो वाजिब मुनाफा है वो लेना पाप नहीं है। ग्राहक भी जानता है तुम धर्म करने नहीं बैठे हो। लेकिन गला न काटें, जितना हमारा हक बनता है उतना ही ले। ये उद्गार बीका बैंक्वेट बेलूर हावड़ा में स्व. ब्रजमोहन धापा देवी की पुण्य स्मृति में धनानिया परिवार, कोलकाता की ओर से आयोजित नव-दिवसीय श्रीराम कथा के समापन दिवस की कथा सुनाते हुए संत शंम्भुशरण लाटा ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि एक माता-बहन अपने परिवार की सेवा करती है बच्चों को संभालती है सबके लिए भोजन पानी की व्यवस्था करती है, उसको अलग से माला जपने की कोई जरूरत नहीं लेकिन कब? जब वो अपने परिजनों में भगवान को देखने लगे। पंडित लाटा ने इस प्रसंग को विस्तार देते हुए कहा कि सारे संसार में आप भगवान को एक बार में नहीं देख पायेंगे।इसलिए इसका उपाय निकाला गया है। सबसे पहले मातृ देवो भव:, फिर पितृ देवो भव:, गुरू देवो भव: यहां तक की अतिथि देवो भव: अर्थात पहले मां में, फिर पिता में, गुरु में और यहां तक की घर आये मेहमानों में भगवान दिखने लग जायें तो फिर धीरे-धीरे सब में भगवान दिखने लगेंगे। उन्होंने कहा कि जो हृदय में भगवान का ध्यान करते है वो हर्षित रहते है प्रसन्न रहते हैं। आप भगवान के हाथ में अपनी डोर छोड़ दो और कहो की प्रभु आप जो करवाना चाहते हो करवा लो क्योंकि जो भगवान के दास हो जाते हैं वो कभी उदास नहीं होते।

कथा प्रसंग के अनुसार सुंदरकांड की व्याख्या करते हुए पंडित लाटा ने कहा कि सुंदरकांड का नित्य पाठ करने मात्र से हमारे सभी कर्म सुंदर हो जाते हैं। हम शरीर, मकान, वस्तु की सुंदरता की बात करते हैं लेकिन ये सदा रहती नहीं। सुंदरकांड का पहला शब्द है शांतम। भगवान शांतम हैं शाश्वत हैं सदा शांत रहते हैं। शांति भीतर की चीज है। शांति मिल जाने पर संसार की कोई भी वस्तु नहीं चाहिए।जीना है अगर सुख से हंस हंस के सदा जी ले, श्रीराम कथा रस की दो घूंट सुधा पी ले..... जैसे मर्मस्पर्शी भजन के साथ कथा को जीवन में उतार कर अपने कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने का श्रद्धालुओं से आह्वान करते हुए पंडित लाटा ने इस नव-दिवसीय कथा को विराम दिया। सैकड़ों श्रद्धालुओं से खचाखच भरे आयोजन स्थल पर राम राज्याभिषेक का उत्साह चरम पर रहा। कथा श्रवण को पधारे गणमान्य लोगों का स्वागत दुपट्टा ओढ़ाकर किया गया जबकि सभी आगंतुकों में प्रसाद वितरण किया गया। आरती के साथ सम्पन्न हुए इस आयोजन की सफलता में सहभागी सभी के प्रति धनानिया परिवार की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित की गई।

परमात्मा बिम्ब हैं तो जीव प्रतिबिम्ब : स्वामी गिरीशानंद

कोलकाता, समाज्ञा : भक्त प्रह्लाद का ऐसा दिव्य चरित्र हैं, जिससे हमें अनेक शिक्षाएं मिलती है। प्रह्लाद अपने पिता हिरण्यकश्यपु का हमेशा सम्मान करते रहें, उनके विरोध के बावजूद ईश्वर की भक्ति और साधना कभी नहीं छोड़ें। सत्य और अहिंसा प्रह्लाद के जीवन में दिखता है। सत्य और अहिंसा का पाठ आधुनिक युग में महात्मा गांधी ने हमें नये रूप में आचरित कर दिखाया। प्रह्लाद के जीवन में धर्म, भक्ति और ज्ञान का समन्वय हैं। भक्त प्रह्लाद वास्तव में सनकादिक के अवतार थे। भगवान अपने से ज्यादा ख्याल भक्तों को रखते हैं। अपने भक्त की बात झूठी न निकले इसलिए खंभे से भगवान नृसिंह प्रकट हुए। हिरण्यकश्यपु ने कहा था, बोलो प्रह्लाद तेरा विष्णु भगवान कहां है ?जब खंभे से नृसिंह भगवान प्रकट हुए तो जोर से आवाज हुई, क्रोधित

लाल आंख वाले नृसिंह भगवान ने हिरण्यकश्यपु का उद्धार कर बैंकुंठधाम भेज दिया। इसके बावजूद, नृसिंह का क्रोध शांत नहीं हो रहा था तो ब्रह्माजी ने लक्ष्मी से कहा। लक्ष्मी जी गई पर नृसिंह भगवान ने क्रोध से झपटे, डर के लक्ष्मी जी भाग गई। ब्रह्माजी के कहने पर प्रह्लाद जी नृसिंह भगवान के पास गए तो वे प्रह्लाद को गोद में बैठा लिया। नृसिंह भगवान का क्रोध शांत हो गया। प्रह्लाद ने कहा, हे प्रभु आप पूर्ण है। आपको दुनिया से क्या चाहिए? आप तो करुणा करके भक्त दी हुई वस्तुओं को स्वीकार करते हैं और बहुत गुणा करके आपको लौटा देते हैं। परमात्मा बिम्ब है तो जीव प्रतिबिम्ब है। बिम्ब को संजाओगे तो प्रतिबिम्ब अपने आप संज जाता है। इसका अभिप्राय, यह है कि यदि आप अपने जीवन को सजना चाहते हैं तो भगवान को सजाओ। आपका जीवन अपने आप सज जाएगा। प्रह्लाद ने नृसिंह भगवान से कहा, प्रभु आज मैंने देख लिया कि भगवान शंकर, ब्रह्मा, इन्द्र यहां तक कि आपकी धर्मपत्नी लक्ष्मीजी आपको क्रोध को शांत करने के लिए आए पर शांत नहीं हुए। मैं तो सिर्फ आपको प्रणाम करने के लिए आया तो आपने प्रेम से मुझे अपने गोद में बैठा लिया और सहज शांत हो गए। मतलब समझ गया कि प्रेमी भक्तों के लिए आप सभी को छोड़ देते हैं। अंत में प्रह्लाद ने कहा, प्रभु मुझे एक वरदान दीजिए कि आज से मेरी मांगने की कुछ इच्छा न हो और दूसरा वरदान मेरे पिता को सद्गति दीजिए। भगवान नृसिंह ने कहा कि जिस कुल में तेरा जैसा भक्त होगा उसकी 21 पीढ़ियों को स्वत:बैकुंठधाम में जगह दूंगा। ये बातें संगीत कला मंदिर व संगीत कला मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत भक्त प्रह्ललाद चरित्र पर प्रवचन करते हुए परम पूज्य परमहंस स्वामी गिरीशानंद महाराज ने संगीत कला मंदिर सभागार में कही। इस मौके पर अरविन्द नेवर, देवेन्द्र मंत्री, मंजू नेवर, विनोद माहेश्वरी, शीला झुनझुनवाला, मुरारीलाल दीवान, अशोक चूड़ीवाल, बीएसएफ के कमांडेट मनोज राय, संगीता राय, वीणा चूड़ीवाल, सरिता अग्रवाल, बबीता दीवान, वर्षा अग्रवाल, गौरांग अग्रवाल, विवेक दीवान, संदीप अग्रवाल, रामकथावाचक पुरुषोत्तम तिवारी, महावीर प्रसाद रावत, राधेमोहन रावलवासिया अग्रवाल, मनोज पराशर सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पटरी पर प्रगति का नया अध्याय : पश्चिम बंगाल में रेलवे विकास की तेज रफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में रेलवे का विकास आज एक निर्णायक और परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में रेलवे विकास को मिली सर्वोच्च प्राथमिकता का ही परिणाम है कि पिछले एक दशक में किए गए अभूतपूर्व कार्य राज्य की रेल तस्वीर को तेजी से बदलते हुए दिखाई दे रहे हैं। आधुनिक अवसंरचना, उन्नत यात्री सुविधाएँ और सुरक्षा को केंद्र में रखकर किए गए योजनाबद्ध निवेशों ने बंगाल को रेल विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच और निर्णायक नेतृत्व में प्रदेश की रेलवे केवल परिवहन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह पश्चिम बंगाल के आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक उत्थान की सशक्त रीढ़ बनती जा रही है। कनेक्टिविटी के विस्तार से लेकर आधुनिक ट्रेनों की सौगात तक, इस परिवर्तन का सीधा और व्यापक लाभ राज्य के आम नागरिकों, व्यापार, पर्यटन और रोजगार को मिल रहा है- जो सबका साथ, सबका विकास की भावना को साकार करता है।

☛ बजट में ऐतिहासिक बढ़ोतरी

पश्चिम बंगाल के लिए रेलवे बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। जहां 2009-14 के दौरान वार्षिक औसत बजट 4,380 करोड़ था, वहीं 2025-26 में यह बढ़कर 13,955 करोड़ हो गया है, यानी लगभग तीन गुना की बढ़ोतरी। यह बढ़ा हुआ निवेश रेलवे परियोजनाओं को गति देने, नई लाइनों के निर्माण, स्टेशनों के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार में निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

☛ नेटवर्क विस्तार और विद्युतीकरण में बड़ी छलांग

वर्ष 2014 के बाद से पश्चिम बंगाल में 1,293 किलोमीटर नए रेल ट्रैक का निर्माण किया गया है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पूरे रेल नेटवर्क से भी अधिक है। नए ट्रैक के निर्माण से कनेक्टिविटी को मजबूती मिली है बेहतर हुई है साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों, बंदरगाहों और सीमावर्ती इलाकों को भी मजबूत रेल संपर्क मिला है, जिससे व्यापार और रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

वर्तमान में पश्चिम बंगाल में 45 नई रेल लाइन परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 4,660 किलोमीटर है और इन पर लगभग 63,997 करोड़ की लागत अनुमानित है। ये परियोजनाएँ राज्य के दूर-दराज़ और पिछड़े क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएंगी, जिससे क्षेत्रीय संतुलन और समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

इतना ही नहीं, रेलवे के हरित और ऊर्जा दक्ष भविष्य की दिशा में भी पश्चिम बंगाल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 2014 के बाद 1,647 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया गया है। इसके साथ ही राज्य का रेल नेटवर्क 98.6 प्रतिशत तक विद्युतीकृत हो चुका है। इससे डीजल पर निर्भरता कम होने के साथ रेल परिचालन लागत में कमी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है।

☛ मेट्रो परियोजनाओं में गति

शहरी परिवहन की रीढ़ बन चुकी मेट्रो परियोजनाओं में भी निर्माण की गति स्पष्ट रूप से बढ़ी है। वर्ष 1972 से 2014 के बीच जहां केवल 28 किलोमीटर मेट्रो लाइन का निर्माण हुआ था, वहीं 2014 से अब तक 31 किलोमीटर नई मेट्रो लाइन विकसित की जा चुकी है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि हाल के वर्षों में परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी और कार्यकुशलता दोनों में सुधार हुआ है।

☛ अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन बनेंगे सिटी सेंटर

रेलवे स्टेशनों को आधुनिक, यात्री-अनुकूल और बहु-उपयोगी केंद्रों के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के कुल 1300 से अधिर रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इन स्टेशनों में पश्चिम बंगाल में 101 स्टेशनों का नाम शामिल है जिनपर कुल 3,847.5 करोड़ की लागत आएगी। पुनर्विकसित किए जाने के बाद ये स्टेशन केवल यात्रा के केंद्र नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त सिटी सेंटर के रूप में उभरेंगे, जहां यात्रियों को रेल यात्रा का बेहतर अनुभव मिलेगा।

☛ सुविधाजनक, सुरक्षित और निर्बाध रेल यात्रा

रेल सुरक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए देशभर में स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' का विस्तार किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में 831 रूट किलोमीटर पर कवच से संबंधित कार्य या प्रगति पर हैं, जबकि कुल 3,337 रूट किलोमीटर इसके लिए स्वीकृत किए जा चुके हैं। यह प्रणाली टक्कर की घटनाओं को रोकने और रेल परिचालन सुरक्षा को मजबूत करने में सहायक है। इसके साथ ही, 2014 के बाद से राज्य में 450 रेल फ्लाईओवर और अंडरब्रिज का निर्माण किया गया है। इससे रेल और सड़क यातायात दोनों को सुगम बनाया गया है, जाम की समस्या कम हुई है और सुरक्षा में भी सुधार आया है।

यात्रियों की सुविधा और आराम को ध्यान में रखते हुए पश्चिम बंगाल के रेलवे स्टेशनों पर बड़े पैमाने पर सुविधाएँ जोड़ी गई हैं। 2014 के बाद 165 लिफ्ट, 315 एस्केलेटर और 510 स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ये सुविधाएँ विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और दैनिक यात्रियों के लिए उपयोगी साबित हो रही हैं।

☛ आधुनिक ट्रेन सेवाएँ

राज्य में आधुनिक ट्रेनों की संख्या भी बढ़ी है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में 9 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं, जो 9 जिलों को कवर करती हैं और राज्य में 12 विशिष्ट ठहराव प्रदान करती हैं। इसके अलावा, 1 अमृत भारत एक्सप्रेस (मालदा टाउन-बेंगलुरु) सेवा भी संचालित की जा रही है, जो 7 जिलों को जोड़ती है और पश्चिम बंगाल में 9 विशिष्ट ठहराव रखती है।

पश्चिम बंगाल की रेल यात्रा अब भविष्य की पटरी पर एक और बड़ा कदम बढ़ाने जा रही है। 17 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक क्षण साकार होगा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रदेश को 2 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की सौगात मिलेगी। इन ट्रेनों की शुरुआत के साथ देश में आधुनिक, सुरक्षित और विश्वस्तरीय रेल यात्रा के एक नए युग का शुभारंभ होगा।

इस उपलब्धि के साथ पश्चिम बंगाल के यात्रियों को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में यात्रा करने का गौरव प्राप्त होगा- जहाँ तेज रफ्तार, अत्याधुनिक सुविधाएँ और रात्रिकालीन आराम एक साथ मिलेंगे। यह पहल न केवल प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई ऊँचाई देगी, बल्कि नए भारत की भविष्यवादी रेल व्यवस्था का सशक्त प्रतीक भी बनेगी।

पश्चिम बंगाल में रेलवे विकास आज केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य के आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक समावेशन और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया एक समग्र प्रयास है। बढ़ा हुआ बजट, तेज परियोजना क्रियान्वयन, आधुनिक तकनीक और यात्री-केंद्रित दृष्टिकोण- ये सभी मिलकर पश्चिम बंगाल को रेलवे विकास के एक नए मॉडल के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

श्रीरामपुर वाल्स अस्पताल में नवजात की मौत को लेकर भारी हंगामा

हुगली, समाज्ञा : श्रीरामपुर स्थित सुपर स्पेशियलिटी वाल्स अस्पताल में एक नवजात की मौत को लेकर रविवार को तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। रिसड़ा की रहने वाली लगभग 30 वर्षीय रीना देवी को 10 तारीख की रात प्रसव पीड़ा के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उन्होंने एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन दुर्भाग्यवश नवजात मृत पाया गया। वहीं, प्रसूता रीना देवी की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। रीना देवी की ननद ने अस्पताल कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी आंखों के सामने बेहद निर्ममता से प्रसव कराया गया, जिसके कारण जन्म से पहले ही नवजात की मौत हो गई। आरोप है कि प्रसव के बाद भी रीना देवी की शारीरिक स्थिति में पूरे दिन कोई

सुधार नहीं हुआ, जिससे उनकी हालत और बिगड़ गई। नवजात की मौत से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। स्थिति लगातार बिगड़ती देख श्रीरामपुर थाने से भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और हालात को नियंत्रण में लिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। घटना ने एक बार फिर सरकारी अस्पतालों में इलाज और लापरवाही के मुद्दे को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

आज का कार्यक्रम

☛ **आनंदम योग केंद्र और बेहतर कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क आनंदम योग शिविर सुबह 7 बजे से जलधार पार्क बाघमारी (गुरुद्वारा के पास) स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती पर।**

रिसड़ा बिधान चंद्र कॉलेज में 'बर्षो बरण-2026' सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

हुगली, समाज्ञा : जिले के रिसड़ा स्थित बिधान चंद्र कॉलेज परिसर में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'बर्षो बरण-2026' एवं पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रमेश कर ने डॉ. बिधान चंद्र राय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। उद्घाटन सत्र में कलकत्ता विश्वविद्यालय के कॉलेज निरीक्षक प्रो. डॉ. दिपेंदु चटर्जी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कॉलेज के शासी निकाय के सदस्य भी मौजूद थे। स्वागत भाषण में प्राचार्य ने दो दिवसीय कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए नववर्ष उत्सव के महत्व, हालिया विश्वविद्यालय परीक्षाओं में छात्रों के उत्कृष्ट परिणाम तथा कॉलेज के बुनियादी ढांचे के विकास की जानकारी दी। कॉलेज निरीक्षक ने विद्यार्थियों को नए लक्ष्यों की ओर प्रेरित करने वाला संबोधन दिया। पुरस्कार वितरण के पश्चात विभिन्न विभागों की ओर से गीत, नृत्य, नृत्य-नाट्य और आवृत्ति जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। विशेष आकर्षण रहा 'सालिल ओरघो' सालिल चौधरी को समर्पित प्रस्तुति, जिसे कॉलेज के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया। पूर्व छात्र, शिक्षक और कर्मचारी सहित दर्शकों ने कार्यक्रमों

की सराहना की। मुख्य अतिथि कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल विधानसभा सदस्य डॉ. सुदीप्तो रॉय रहे। उन्होंने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर दिया। छात्रों द्वारा बिना बाहरी कोरियोग्राफर या मेंटर के दी गई प्रस्तुतियों की उन्होंने विशेष प्रशंसा की। समापन सत्र में अतिथि कलाकार की संगीतमय प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। अंत में सांस्कृतिक उप-समिति की संयोजक डॉ. तनुश्री मंडल ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक समापन किया।

जौनपुर नागरिक संघ द्वारा आयोजित श्री गंगासागर निःशुल्क सेवा शिविर में पधारे संघ के मानस सदस्य पंकज भड़ेच एवं उनकी धर्मपत्नी निशा भड़ेच एवं उनके परिवार के सदस्यगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बिहारी समाज ने गंगासागर मेला 2026 में सेवा शिविर जारी रखने का संकल्प दोहराया

कोलकाता, समाज्ञा : राष्ट्रीय बिहारी समाज ने गंगासागर तीर्थयात्रियों की सेवा के क्षेत्र में अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराते हुए वर्ष 2026 में सेवा कार्य के 27वें वर्ष में प्रवेश करने की घोषणा की है। संगठन पिछले 26 वर्षों से माधवराव सिंधिया सेवा प्रतिष्ठान के संरक्षण में गंगासागर मेले के दौरान श्रद्धालुओं की निष्ठा और समर्पण भाव से सेवा करता आ रहा है। आगामी गंगासागर मेला 2026 के अवसर पर आउट्रामघाट स्थित गंगासागर मेला शिविर प्रांगण में बिहार सेवा शिविर के आयोजन का संकल्प लिया गया है। राष्ट्रीय बिहारी समाज ने समाजसेवियों, श्रद्धालुओं और आमजन से अपील की है कि वे इस सेवा शिविर में तन, मन और धन से सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाएं तथा कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करें, ताकि भविष्य में भी समाजोत्थान से जुड़े ऐसे आयोजन लगातार किए जा सकें। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सेवा कार्य को और अधिक व्यापक बनाने पर बल दिया। राष्ट्रीय बिहारी समाज के प्रमुख पदाधिकारियों में सच्चिदानंद राय (एमएलसी) प्रधान संरक्षक, ममता सिंह (अध्यक्ष), डॉ. हरेंद्र सिंह (चेयरमैन), धर्मेंद्र सिंह (प्रधान संयोजक), रणधीर सिंह (प्रधान महासचिव), श्री राजा बाबू सिंह (कोषाध्यक्ष) सहित अनेक पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। महिला कार्यकारिणी समिति की ओर से इंदु सिंह (अध्यक्ष), सरोज सिंह (कार्यकारी अध्यक्ष) और अन्य पदाधिकारी भी सेवा कार्य में सहभागिता कर रही हैं।

वेस्ट बंगाल यादव समाज द्वारा आउट्राम घाट पर लगे सेवा शिविर में तीर्थयात्रियों की सेवा में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे मेला प्रबंधक दुर्गा यादव, महासचिव संजय यादव, संचालक परशुराम राय व पूरी टीम।

गंगासागर में श्री कपिलमुनी चैरिटेबल ट्रस्ट का भव्य सेवा कार्य, 6,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

सागर, समाज्ञा : गंगासागर स्थित कपिलमुनी की पावन धरा पर श्री कपिलमुनी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निरंतर सेवा कार्य किए जा रहे हैं। पूज्य श्री महंत ज्ञानदास महाराजजी के आशीर्वाद से ट्रस्ट ने अविरत सेवा के पवित्र संकल्प के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। आयोजकों द्वारा संचालित सुंदर सेवा कार्यक्रम को श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों की व्यापक सराहना मिल रही है। इस सेवा कार्य में अनेक समाजसेवियों एवं दानदाताओं का सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस पुण्य कार्य में रामनिवास जिंदल, परेश दफ्तरी, सत्यानारायण अग्रवाल, अनिल पासारी, प्रदीप गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, हनुमान जिंदल, राम गोयल, चंद्रेश मेघानी,

पप्पू खरा, दिलेश पटेल, यश मेहता, मुकेश कामदार, भारत शाह, हिनाबेन दोशी और मोना शाह सहित अनेक अन्य श्रद्धालु एवं सेवाभावी लोग जुड़े हुए हैं। रविवार को ट्रस्ट की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, रविवार को 6,000 से अधिक यात्रियों ने प्रसाद ग्रहण किया। सेवा कार्य को सुव्यवस्थित और भक्तिभाव से संपन्न करने के लिए स्वयंसेवकों की टीम दिन-रात सक्रिय रूप से कार्य कर रही है

गोवा बगान व्यवसायिक संघ के उद्घाटन के अवसर पर सुप्रसिद्ध व्यसायी शम्भूनाथ जायसवाल, सहस्रार्जुन जयन्ती समारोह समिति के अध्यक्ष विकास जायसवाल, अरुण कुमार जायसवाल, मनोज जायसवाल, संरक्षक डी एम शाह, अच्छेलाल सेठ, प्रेम प्रकाश साव, अध्यक्ष सत्यनारायण जायसवाल, मदनलाल सेठ, महामंत्री रामफूल जायसवाल, अजय बसाक, मंत्री महेन्द्र जायसवाल, सुनील साव, कोषाध्यक्ष अच्छेलाल साव, शिवप्रकाश साव एवं शिविर प्रभारी शंकर यादव, उमाशंकर गुप्ता सहित बहुत सारे गणमान्य उपस्थित रहे।

पोलरहार्ट थाना परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में मौजूद कोलकाता पुलिस के ओसी मोहम्मद सरफराज अहमद एवं अतिरिक्त ओसी बलई बाग। इस दौरान विकास जायसवाल भी उपस्थित थे।

पश्चिम बंग भोजपुरी परिषद के उद्घाटन के अवसर जयप्रकाश सिंह, शंकर बक्श सिंह, प्रतिभा सिंह, राधेश्याम श्रीवास्तव, अशोक सिंह, आलोक चतुर्वेदी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। इसमें श्यामनारायण सिंह, कमलेश पाण्डेय, रणविजय सिंह, मंटू पाण्डेय, ओम प्रकाश पंडित, प्रेमनाथ पाण्डेय एवं कृष्णा पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एसबीआई ऑटो एक्सपो 2026 सफलतापूर्वक सम्पन्न, ग्राहकों को मिले बहु-ब्रांड विकल्प

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा आयोजित एसबीआई ऑटो एक्सपो 2026 का उद्घाटन 10 जनवरी को एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक नीरज कुमार पांडा ने ईईडीएफ तालटाला ग्राउंड में किया। इस अवसर पर ऑटोमोबाइल उद्योग की कई प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया। इस ऑटो एक्सपो में कुल नौ प्रमुख ऑटो ब्रांड- मारुति, हुंडई, टाटा, महिंद्रा, टोयोटा, जीप, स्कोडा, सिट्रॉन और रॉयल एनफील्ड-ने अपने नए मॉडलों और लॉन्च को प्रदर्शित किया है। प्रदर्शनी का आयोजन एसबीआई द्वारा विभिन्न ऑटो डीलरों के समन्वय से किया गया है। कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों को एक ही स्थान पर विभिन्न ब्रांड्स की गाड़ियां देखने और आकर्षक छूट का लाभ उठाने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही, पात्रता के आधार पर बैंक की शर्तों एवं नियमों के अनुरूप एसबीआई द्वारा ग्राहकों को इन-प्रिंसिपल अप्रूवल लेटर भी मौके पर ही प्रदान किए जा रहे हैं। एसबीआई ऑटो एक्सपो 2026 का आयोजन 10 और 11 जनवरी तक दो दिनों के लिए किया गया।

एसबीआई ऑटो एक्सपो 2026 का शनिवार को उद्घाटन करते हुए एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक नीरज कुमार पांडा।

राम शरद कोठारी स्मृति द्वारा स्वेच्छा रक्तदान महोत्सव का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : नर सेवा ही नारायण सेवा है। रक्तदान करना और करवाना पीड़ित मानवता के हित में की जाने वाली बड़ी सेवा है। भारत का आगे बढ़ना विश्व कल्याण के लिए आवश्यक है। इसे पूरा करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। अपने आस-पास के लोगों को प्रेरित करके नागरिक कर्तव्य जगाना आवश्यक है। तभी 2047 तक विकसित भारत बनाने का स्वप्न साकार होगा - ये विचार हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व क्षेत्र सम्पर्क प्रमुख विद्युत मुखर्जी का जो राम शरद कोठारी स्मृति संघ, कोलकाता द्वारा सहयोगी संस्था श्याम सेवा भावना के साथ माहेश्वरी भवन में आयोजित स्वेच्छा रक्तदान महोत्सव में बतौर प्रधान वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्था के कार्यकर्ता विगत कई वर्षों से अपना निष्ठा पूर्वक इस कार्य में लगे हुए हैं। उन्होंने संस्था द्वारा कोई नियमित सेवा

योजना चलाने पर विचार करने का आग्रह किया। संस्था अध्यक्ष राजेश अग्रवाल (लाला) ने सभी रक्तदाताओं का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा किये जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों के बारे में अवगत कराया। अमर हुतात्मा राम कुमार और शरद कुमार कोठारी की बहन पूर्णिमा कोठारी ने इस महती कार्य के लिए रक्तदाताओं तथा कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। भागीरथ सारस्वत ने जानकारी देते हुए बताया कि रक्त की कमी से किसी परिवार के दीपक की ज्योति ना बुझने पाये - इस ध्येय वाक्य को अपना प्रेरणा स्रोत मानते हुए संस्था विगत 17 वर्षों से रक्तदान शिविर आयोजित कर रही है। समाजसेवी संजय अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रधान अतिथि डॉ भरत गुप्ता, पूर्व महापौर एवं पार्षदा मीना देवी पुरोहित, पार्षद विजय ओझा तथा सहयोगी संस्था श्याम सेवा भावना के संरक्षक रामजीवन कनोड़िया, पूर्णिमा कोठारी मंच पर उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

कड़ाके की ठंड के चलते रांची में कक्षा 6वीं तक के लिए स्कूल 14 जनवरी तक बंद

रांची: झारखंड के रांची जिले में शीतलहर के मद्देनजर कक्षा छठवीं तक के छात्रों के लिए सभी स्कूल 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस अवधि के दौरान सातवीं से 12वीं तक की कक्षाएं सुबह 10 बजे से शुरू होंगी। उन्होंने बताया कि यह निर्णय छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। रांची जिले में स्कूलों को पहले आठ जनवरी तक बंद रखने का आदेश दिया गया था, जिसे बाद में 10 जनवरी तक बढ़ा दिया गया था। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने झारखंड के कुछ हिस्सों में 13 से 16 जनवरी के बीच शीतलहर की आशंका के मद्देनजर 'येलो अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी के अनुसार गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा और गुमला जिलों के लिए यह अलर्ट जारी किया गया है।

कड़ाके की ठंड के कारण नोएडा में आठवीं कक्षा तक के स्कूल 15 जनवरी तक बंद

नोएडा (उप्र): घने कोहरे और भीषण ठंड को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर जिले में नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के सभी स्कूल 15 जनवरी तक बंद रहेंगे। जिला प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी दी। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह निर्णय जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन के तहत लिया गया है। यह आदेश जिले में संचालित केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र (आईसीएसई), आईबी, उत्तर प्रदेश बोर्ड तथा अन्य बोर्ड से संबद्ध नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के सभी विद्यालयों पर लागू होगा। नौ जनवरी को जारी आदेश में कहा गया कि सभी संस्थान इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने चेतावनी दी कि आदेश का उल्लंघन कर स्कूल खोलने पर नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान में बच्चों की हत्या कर मां ने की आत्महत्या की कोशिश

मांडलगढ़ (राजस्थान): राजस्थान में मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के मानपुरा गांव में रविवार सुबह एक महिला ने अपने दो बच्चों की कथित रूप से हत्या करने के बाद फंदा लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मांडलगढ़ थानाधिकारी घनश्याम मीणा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मानपुरा गांव में संजू (35) ने अपने बेटे भैरू (छह) और बेटी नेहा (10) का पहले गला दबाया और बाद में धारदार हथियार से वार कर उनकी हत्या कर दी।

यूपी पुलिस का 'यूपीकॉप ऐप' बना आमजन का सारथी, घर बैठे प्राथमिकी दर्ज कराने समेत 27 सुविधाएं मिलेंगी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश पुलिस का 'यूपीकॉप ऐप' और नागरिक पोर्टल अब एक 'डिजिटल पुलिस थाना' की तरह काम कर रहे हैं, जिसके माध्यम से लोग न केवल घर बैठे प्राथमिकी दर्ज करा रहे हैं, बल्कि थाने जाए बिना 27 प्रकार की पुलिस सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी गई। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण के हवाले से कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिसिंग को जनकेंद्रित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए तकनीक से जोड़ा है। इसमें कहा गया कि यह मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का ही नतीजा है कि आज उप्र पुलिस तकनीक के जरिये आम जनमानस की सेवा में नई मिसाल

कायम कर रही है। उन्होंने कहा कि यूपीकॉप ऐप ने थानों के चक्कर लगाने की मजबूरी को काफी हद तक कम कर दिया है। वहीं ऐप से विभिन्न सेवाओं के निस्तारण की समयावधि में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गयी है। बयान के मुताबिक, ऐप के जरिए लोग ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कराने, प्राथमिकी की कॉपी डाउनलोड करने, खोये सामान की रिपोर्ट दर्ज कराने, चरित्र सत्यापन, किरायेदार सत्यापन, घरेलू सहायक सत्यापन, कर्मचारी सत्यापन समेत 27 प्रकार की सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। इसमें कहा गया है कि अब तक 50 लाख से अधिक उपयोगकर्ता ऐप को डाउनलोड कर चुके हैं, जबकि ऐप के माध्यम से 2.1 करोड़ से ज्यादा प्राथमिकी डाउनलोड की जा चुकी हैं तथा 7.3 लाख से अधिक लोगों ने खोये सामान की रिपोर्ट दर्ज करायी है। यह आंकड़े मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डिजिटल पुलिसिंग की सोच के महत्व को दर्शाते हैं। डीजीपी ने बताया कि 'यूपीकॉप ऐप' में कई आधुनिक सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं। इसमें रीयल-टाइम नोटिफिकेशन के जरिए आवेदकों को उनके आवेदन की स्थिति की तुरंत जानकारी मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह ऐप हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में उपलब्ध है जिससे हर वर्ग के लोग आसानी से इसका उपयोग कर रहे हैं।

उप्र में जद(यू) के संगठन विस्तार की अयोध्या से शुरुआत, 10 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य

लखनऊ: भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक जनता दल (यूनाइटेड) की उत्तर प्रदेश इकाई ने अपने संगठन को विस्तार देने की पहल रविवार को अयोध्या से शुरू की। एक बयान में बताया गया कि जद (यू) ने प्रदेश में 10 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। अयोध्या में रविवार को जनता दल (यूनाइटेड) की उत्तर प्रदेश इकाई की बैठक एक होटल में पार्टी के प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अनूप पटेल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री तथा उत्तर प्रदेश के संगठन प्रभारी कैबिनेट मंत्री श्रवण कुमार शामिल हुए। श्रवण कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में संगठन को नयी मजबूती देने के उद्देश्य से राज्यव्यापी सदस्यता अभियान की औपचारिक शुरुआत की।

पहले ये बताएं कि भाजपा आपके संपर्क में है या नहीं: सपा प्रमुख ने केशव प्रसाद मौर्य से पूछा

लखनऊ: समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से सवाल किया कि पहले वह यह बताएं कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उनके संपर्क में है या नहीं। अखिलेश ने यह सवाल मौर्य के इस दावे के बाद किया कि सपा के कई विधायक भाजपा में आने को तैयार हैं। सपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर मौर्य की तस्वीर और उनके बयान की एक खबर साझा करते हुए कहा, पहले ये बताएं कि भाजपा आपके संपर्क में है या नहीं। उन्होंने इसी पोस्ट में मौर्य से यह भी कहा, आप 'मेन लाइन' में हैं या 'साइड लाइन' में, या 'आउट ऑफ़ लाइन' हैं?' उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मौर्य ने शुक्रवार को अपने आगरा दौरे के दौरान दावा किया था कि समाजवादी पार्टी के कई विधायक भारतीय जनता पार्टी में आने को तैयार हैं लेकिन भाजपा उन्हें शामिल नहीं कर रही। मौर्य ने कहा, 'जब से अखिलेश यादव बिहार में चुनाव हारकर लौटे हैं, तभी से वह बौखलाए और घबराए हुए हैं। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं कि 2027 में सरकार बना लेंगे और समाज को बांटकर राज करेंगे।'

गजनी जैसे आततायियों के विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गजनी जैसे आततायियों के धूलधूसरित विध्वंस पर आज उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा श्री सोमनाथ मंदिर भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का जीवंत प्रतीक है...! पोस्ट में उन्होंने कहा, पिछले एक हजार वर्षों का कालखण्ड इस बात का प्रमाण है कि विदेशी आक्रांताओं की घृणा, कट्टरता और विध्वंस की नीति के आगे हमारी आस्था, साहस और सृजनशीलता की अमर शक्ति हर क्षण अडिग रही। योगी आदित्यनाथ ने

इसी पोस्ट में आगे कहा, आज बाबा सोमनाथ का जो भव्य स्वरूप हम देख रहे हैं, वह सरदार वल्लभभाई पटेल की निष्ठा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद की आस्था, के.एम. मुंशी जी की जिजीविषा एवं लाखों सनातन धर्मावलंबियों के बलिदान का ही प्रतिफल है। मुख्यमंत्री ने मोदी का जिक्र करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'नया भारत' आज 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के रूप में सनातन आस्था के सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मना रहा है और गजनी जैसे आततायियों के धूलधूसरित विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, यह पर्व प्रतीक है कि सत्य को कभी पराजित नहीं किया जा सकता। गौरवशाली सनातन संस्कृति के अभिवर्धन हेतु आपका आभार प्रधानमंत्री जी। सोमनाथ (गुजरात) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'शौर्य यात्रा' का नेतृत्व किया। यह गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक औपचारिक शोभा यात्रा है।

देवरिया में अवैध रूप से निर्मित मजार को प्रशासन ने ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की

देवरिया (उप्र): उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में गोरखपुर मार्ग पर अवैध रूप से निर्मित एक मजार को प्रशासन ने स्थानीय अदालत के आदेश पर रविवार को बुलडोजर से ध्वस्त करना शुरू कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हजरत शहीद सैयद अब्दुल गनी शाह बाबा मजार देवरिया-गोरखपुर मार्ग पर ओवरब्रिज के पास सरकारी बंजर भूमि पर है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच इसके ध्वस्तीकरण का अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने

बताया कि यह कार्रवाई सदर क्षेत्र के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) की अदालत के आदेश के बाद की गई। एसडीएम ने भूमि को सरकारी संपत्ति घोषित किया था और फैसला सुनाया था कि दरगाह को कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त नहीं है। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था। उप मंडलीय जिलाधिकारी श्रुति शर्मा ने कहा कि ध्वस्तीकरण पूरी तरह से कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए और शांतिपूर्ण ढंग से किया गया। उन्होंने कहा, 'इलाके में स्थिति पूरी तरह से सामान्य है।'' दरगाह प्रबंधन समिति ने पहले ही परिसर से सामान हटाना शुरू कर दिया था। समिति अध्यक्ष राशिद खान ने कहा कि वह अदालत के आदेश का पालन कर रहे हैं और प्रशासन को पूरा सहयोग दे रहे हैं।

कांग्रेस सरकारी योजनाओं को लेकर डर फैलाकर लोगों को 'गुमराह' कर रही है: चिराग पासवान

पटना: केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने रविवार को कांग्रेस पर मनरेगा सहित सरकार की योजनाओं को लेकर डर फैलाकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, 'कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियां सीएए, एनआरसी, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना और वीबी-जी राम जी जैसी योजनाओं और कानूनों के इर्द-गिर्द भ्रामक विमर्श शुरू करके लोगों में भय पैदा करने की राजनीति कर रही हैं।' उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह महात्मा गांधी की विरासत का हवाला देकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने को सनसनीखेज बना रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नयी योजना विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) के नाम के बजाय उसके गुणों पर बहस करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसी 'महत्वपूर्ण और नियमित' प्रक्रिया को भी चुनौती देते हैं।

न्यूज अपडेट

'डबल इंजन' वाली राजस्थान सरकार सभी उम्र की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है: मुख्यमंत्री

जयपुर: राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि महिला सशक्तीकरण 'विकसित भारत' की परिकल्पना का केंद्रबिंदु है और 'डबल इंजन वाली सरकार' सभी आयु वर्ग की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने यहां अपने आवास पर आयोजित पूर्व-बजट संवाद में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है और इस विकास के केंद्र में महिला शक्ति है। शर्मा ने कहा कि मातृत्व एक स्वस्थ समाज की नींव है और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना राजस्थान में प्रभावी रूप से लागू की गई है तथा लगभग 10 लाख महिलाएं इससे लाभान्वित हुई हैं। उन्होंने कहा कि योजना की सहायता राशि बढ़ाकर 6,500 रुपए कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि विभिन्न कौशल एवं रोजगार कार्यक्रमों के तहत लगभग 20 लाख महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है और राज्य में 12 लाख से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। उन्होंने कहा, ''लाडो प्रोत्साहन योजना की राशि बढ़ाकर 1.5 लाख रुपए कर दी गई है। यह योजना बेटियों के जन्म, शिक्षा और भविष्य पर केंद्रित है।'' उन्होंने बताया कि अब तक 10.5 लाख साइकिल और लगभग 40,000 स्कूटर छात्राओं को वितरित किए गए हैं तथा जरूरतमंद महिलाओं को 450 रुपए में एलपीजी सिलेंडर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

वाराणसी के स्कूलों में तमिल भाषा की नियमित कक्षाएं चलाने की तैयारी

वाराणसी (उप्र): काशी-तमिल संगमम के बाद वाराणसी के स्कूलों में तमिल भाषा की अब नियमित कक्षाएं संचालित करने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही तमिलनाडु के छात्रों को भी हिंदी सिखाने के लिए 50 अध्यापकों को भी तमिलनाडु भेजने की तैयारी है। राजकीय क्वींस कॉलेज के प्राचार्य सुमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों इसी विद्यालय की छात्रा पायल पटेल के तमिल भाषा सीखने और बोलने की प्रशंसा की थी और इसे देखते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक ने स्कूल में तमिल भाषा सिखाने के लिए सायंकालीन कक्षा चलाने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि ऐसे में प्रधानमंत्री के सांस्कृतिक एकीकरण की सोच को ध्यान में रखते हुए तमिल भाषा की कक्षाएं जल्द ही शुरू की जाएंगी।

नीतीश कुमार सरकारी योजनाओं का जायजा लेने के लिए 16 जनवरी से समृद्धि यात्रा करेंगे

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 16 जनवरी से समृद्धि यात्रा शुरू करेंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान वह विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे और सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा करेंगे। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने रविवार को इस संबंध में सभी विभागों के प्रमुखों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखा। अमृत ने कहा कि इस यात्रा के दौरान कुमार लोगों से बातचीत भी करेंगे। पत्र में हालांकि यह नहीं बताया गया है कि यह यात्रा किस जिले से शुरू होगी। लेकिन सूत्रों ने संकेत दिया कि यात्रा पश्चिम चंपारण से शुरू हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि कैबिनेट सचिवालय एक-दो दिन में समृद्धि यात्रा का विवरण जारी करेगा। पत्र में कहा गया है कि समीक्षा बैठकों में सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और परियोजनाओं से संबंधित वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा लेंगे।

आरएसएस 15 जनवरी से देशव्यापी 'हिंदू सम्मेलन' आयोजित करेगा

मथुरा (उप्र): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता संगठन की शताब्दी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 15 जनवरी से देश भर में 'हिंदू सम्मेलन' आयोजित करेंगे। आरएसएस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। आरएसएस ने देश भर में एक लाख से अधिक ऐसे सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य रखा है जिनमें से लगभग 2,000 सम्मेलन ब्रज क्षेत्र में आयोजित किए जाएंगे। आरएसएस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा शताब्दी वर्ष को 'समाज उत्सव' के रूप में मनाने और संपूर्ण हिंदू समाज को एकजुट करने के आह्वान के बाद पिछले वर्ष विजयदशमी के अवसर पर सम्मेलनों की इस श्रृंखला की शुरुआत की गई थी। ब्रज प्रांत के प्रचार प्रमुख कीर्ति कुमार ने कहा, 'इन सम्मेलनों का उद्देश्य संपूर्ण हिंदू समाज को एक साथ लाना एवं एकता का संदेश देना है तथा लोगों को आपस में जोड़ना है।' आरएसएस पदाधिकारी के अनुसार, सम्मेलनों में होने वाली चर्चाओं का केंद्र बिंदु सामाजिक सद्भाव, एकता और नेतृत्व द्वारा सुझाए गए पांच परिवर्तनकारी बदलाव होंगे, जिनके बारे में संगठन का मानना है कि ये सामाजिक कमियों को दूर करने और जाति या वर्ग भेद से परे एक साझा हिंदू पहचान को बढ़ावा देने में सहायक होंगे। कुमार ने बताया कि ब्रज प्रांत में हिंदू सम्मेलन 15 जनवरी से 15 फरवरी के बीच आरएसएस द्वारा निर्धारित 12 जिलों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रांतीय, क्षेत्रीय और जिला स्तर के पदाधिकारी भाग लेंगे।

समाज्ञा व्यापार

स्पेन, जर्मनी, बेल्जियम और पोलैंड बन रहे भारत के प्रमुख निर्यात गंतव्य

नयी दिल्ली: वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार स्पेन, जर्मनी, बेल्जियम और पोलैंड 27 देशों के यूरोपीय संघ ब्लॉक के भीतर भारतीय वस्तुओं के लिए स्थिर और प्रमुख निर्यात गंतव्य के रूप में उभर रहे हैं। आंकड़ों बताते हैं कि भारतीय निर्यात के लिए स्पेन एक उच्च विकास वाला यूरोपीय बाजार बनकर उभरा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान स्पेन को निर्यात में 56 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई और यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में तीन अरब डॉलर से बढ़कर 4.7 अरब डॉलर हो गया। भारत के कुल निर्यात में स्पेन की हिस्सेदारी बढ़कर 2.4 प्रतिशत हो गई, जिसमें 0.5 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसी प्रकार, चालू वित्त वर्ष के आठ महीनों के दौरान जर्मनी को भारत का निर्यात 9.3 प्रतिशत बढ़कर 6.8 अरब डॉलर से 7.5 अरब डॉलर हो गया। एक अधिकारी ने कहा, भारत के कुल निर्यात में 2.6 प्रतिशत हिस्सेदारी और 0.2 प्रतिशत अंकों की हिस्सेदारी वृद्धि के साथ, जर्मनी भारतीय उत्पादों के लिए स्थिर मांग प्रदान करना जारी रखता है। अप्रैल-नवंबर 2025-26 के दौरान बेल्जियम को देश से होने वाला निर्यात 4.2 अरब डॉलर से बढ़कर 4.4 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि के दौरान भारत का पोलैंड को निर्यात 7.6 प्रतिशत बढ़कर 1.82 अरब डॉलर हो गया, जबकि अप्रैल-नवंबर 2024 में यह 1.69 अरब डॉलर था। अधिकारी ने कहा कि कुल मिलाकर ये रुझान भारत की यूरोप के लिए निर्यात रणनीति को दर्शाते हैं। स्पेन में तेजी से बढ़ती मांग, जर्मनी में स्थिर विकास और बेल्जियम में स्थिरता यह दिखाती है कि भारत का निर्यात संतुलित है, जिसमें पुराने बाजारों में मजबूती और नए बाजारों में विविधीकरण दोनों शामिल हैं।

ऊर्जा सुरक्षा, आत्मनिर्भरता के लिए बहु-तकनीकी नजरिया जरूरी: टोयोटा

नयी दिल्ली: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के अनुसार भारत की भौगोलिक विविधता और उभरती भू-राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए कारों में कई हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। कंपनी ने एक 'बहु-तकनीकी नजरिये' पर जोर देते हुए कहा कि भौगोलिक विविधता और उपभोक्ता स्वीकार्यता के कारण बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन, हाइब्रिड, फ्लेक्स-ईंधन वाहन और हाइड्रोजन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों, सभी की अपनी भूमिका है।

मुकेश अंबानी ने वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के लचीलेपन के लिए मोदी को 'अजेय दीवार' बताया

- रिलायंस गुजरात में 7 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा।
- मुकेश अंबानी ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना की

अहमदाबाद: रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रविवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता और भू-राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के बीच भारत अडिग है। उन्होंने कहा कि 'नरेन्द्र मोदी नाम की अजेय सुरक्षा दीवार' के कारण ये चुनौतियां देश को प्रभावित नहीं कर सकती। राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए आयोजित वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) को संबोधित करते हुए अंबानी ने जोर देकर कहा कि दुनिया को यह पता चलना चाहिए कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह भारत का निर्णायक दशक है। वीजीआरसी का उद्घाटन रविवार दोपहर को प्रधानमंत्री ने

किया। अंबानी ने कहा, 'दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है, और वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियां नई चुनौतियां और अनपेक्षित उतार-चढ़ाव ला रही हैं। लेकिन भारत के लिए सबसे बड़ी सुरक्षा यह है कि ये चुनौतियां हमारे लोगों को नहीं छू सकतीं या परेशान नहीं कर सकतीं, क्योंकि भारत के पास नरेन्द्र मोदी नाम की अजेय सुरक्षा दीवार है।' उन्होंने यह भी कहा कि देश केवल भविष्य के लिए तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि उसे सक्रिय रूप से आकार दे रहा है। अंबानी ने कहा, 'सौराष्ट्र और कच्छ से हम उद्योग जगत के लोग खुश हैं कि हम उस विकास और दिशा में भाग ले रहे हैं, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने हम सभी के लिए दिखाया है।' अंबानी ने कहा कि रिलायंस गुजरात को भारत का कृत्रिम मेधा (एआई) केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी कंपनियां अगले पांच वर्षों में राज्य में अपना निवेश 3.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर सात लाख करोड़ रुपये कर देंगी। अंबानी ने कहा, 'रिलायंस गुजरात को भारत का एआई अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। जामनगर में हम भारत का सबसे बड़ा एआई-रेडी डेटा सेंटर बना रहे हैं, जिसका एकमात्र उद्देश्य हर भारतीय के लिए किफायती एआई उपलब्ध कराना है।'

गोवा में 2025 में 1.08 करोड़ सैलानी पहुंचे, विदेशी पर्यटकों की संख्या पांच लाख के पार

पणजी: वर्ष 2025 में पांच लाख विदेशियों सहित लगभग 1.08 करोड़ पर्यटक गोवा पहुंचे। राज्य के पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे ने रविवार को कहा कि गोवा सरकार का ध्यान गुणवत्तापूर्ण पर्यटन को बढ़ावा देने, बाजारों में विविधता लाने और तटीय राज्य के 'पुनर्योजी पर्यटन' को आगे बढ़ाने पर है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पर्यटन का लाभ स्थानीय समुदायों, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से मिले। राज्य पर्यटन विभाग ने रविवार को बताया कि 2025 में गोवा में 1,02,84,608 घरेलू पर्यटक और 5,17,802 विदेशी पर्यटक आए, जिससे कुल पर्यटकों की संख्या 1,08,02,410 हो गई। विभाग ने कहा कि चार्टर उड़ानों के जरिए आने वाले विदेशी पर्यटकों ने गोवा के पर्यटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आंकड़ों के मुताबिक अपने खूबसूरत समुद्र तटों के लिए मशहूर गोवा में पर्यटकों की संख्या पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ी है। राज्य में 2017 में 68,95,234 घरेलू पर्यटक और 8,90,459 विदेशी पर्यटक आए थे। गोवा में 2024 में 266 चार्टर उड़ानें आईं, जिनमें 58,680 विदेशी पर्यटक सवार थे।

अदाणी समूह कच्छ में करेगा 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश

अहमदाबाद: अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड (एपीएसईजेड) के प्रबंध निदेशक करण अदाणी ने रविवार को कहा कि अदाणी समूह अगले पांच वर्षों में गुजरात के कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। करण अदाणी राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों के लिए आयोजित 'वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' (वीजीआरसी) को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और कई प्रमुख उद्योगति मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'अदाणी समूह अगले पांच वर्षों में कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपये निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपनी खावड़ा परियोजना को पूरा करेंगे

और 2030 तक पूरी 37 गीगावाट क्षमता को चालू कर देंगे। साथ ही, हम अगले 10 वर्षों में मुंद्रा में अपनी बंदरगाह क्षमता को भी दोगुना करेंगे।' अदाणी ने कहा कि इनमें से प्रत्येक निवेश भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं - रोजगार सृजन, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा, स्थिरता और दीर्घकालिक मजबूती के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता और बिखराव का सामना कर रही है, भारत एक उम्मीद की किरण के रूप में उभर रहा है। भारत लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, अपने विनिर्माण आधार का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात भारत के औद्योगिक रूप से उन्नत और वैश्विक स्तर पर जुड़े राज्यों में से एक है। भारत की जीडीपी में गुजरात का योगदान आठ प्रतिशत से अधिक है, जबकि औद्योगिक उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 17 प्रतिशत है।

आरबीआई एनपीए, निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करने के पक्ष में, बैंकों ने किया विरोध

नयी दिल्ली: बैंक ऑफ बड़ौदा, आरबीएल बैंक, यस बैंक और भारतीय स्टेट बैंक ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) से संपर्क कर डिफॉल्टरों और एनपीए की सूची, जुर्माने और निरीक्षण रिपोर्ट जैसी सूचनाओं को सार्वजनिक करने पर आपत्ति जताई है। दूसरी ओर आरबीआई ने कहा कि आरटीआई अधिनियम के तहत इन अभिलेखों का खुलासा किया जा सकता है। आरटीआई आवेदनकर्ताओं धीरज मिश्रा, वथिराज, गिरीश मित्तल और राधा रामन तिवारी ने आरबीआई में अलग-अलग आवेदन देकर इस बारे में जानकारी मांगी थी। उन्होंने यस बैंक के शीर्ष 100 एनपीए और जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों, एसबीआई और आरबीएल की निरीक्षण रिपोर्ट और बैंक ऑफ बड़ौदा पर वैधानिक निरीक्षण के बाद लगे 4.34 करोड़ रुपये के मौद्रिक जुर्माने से संबंधित दस्तावेजों सहित अन्य जानकारियां मांगी थीं। इन बैंकों ने सीआईसी के पास अपील की, क्योंकि बैंकिंग नियामक आरबीआई ने पाया कि आरटीआई आवेदनकर्ताओं द्वारा मांगी गई जानकारी आरटीआई अधिनियम के तहत सार्वजनिक की जा सकती है। सूचना आयुक्त खुशवंत सिंह सेठी ने बैंकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए इस मामले को सीआईसी की बड़ी पीठ के पास भेज दिया। अंतिम निर्णय तक सूचना देने पर रोक लगा दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस मामले का नतीजा बैंकिंग में पारदर्शिता, जमाकर्ताओं के अधिकार और नियामक जवाबदेही पर लंबी अवधि में बड़ा असर डाल सकता है, खासकर जब एनपीए, जुर्माने और निरीक्षण में कमी पर सार्वजनिक निगरानी बढ़ी हुई है। बैंक यह तर्क दे रहे हैं कि नियामक जानकारी के खुलासे से उनके व्यावसायिक हितों को नुकसान होगा।

न्यूज इन ब्रीफ

सोनिया गांधी को गंगा राम अस्पताल से छुट्टी मिली

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को रविवार को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें सीने में संक्रमण के कारण 'ब्रोंकियल अस्थमा' के बढ़ने पर लगभग एक सप्ताह पहले दिल्ली के इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अस्पताला के अधिकारियों ने बताया कि गांधी पर इलाज का अच्छा असर हुआ है और वह तेजी से ठीक हो रही हैं। अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता को आज शाम पांच बजे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब इलाज अपने आवास पर जारी रखने की सलाह दी गई।

हिजाब वाली महिला को पहले पार्टी प्रमुख बनाएं ओवैसी : भाजपा नेता संजय कुमार

हैदराबाद : केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के ''हिजाब वाली महिला के प्रधानमंत्री बनने'' संबंधी बयान पर रविवार को निशाना साधते हुए चुनौती दी कि पहले वह अपनी पार्टी की प्रमुख पहले ऐसी महिला को बनाएं। मंत्री ने हैदराबाद के सांसद के हालिया बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। ओवैसी ने कहा था कि भारत में एक दिन हिजाब पहनने वाली महिला प्रधानमंत्री बनेगी। कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूछा, एआईएमआईएम ने वास्तव में कितनी मुस्लिम महिलाओं को विधायक या सांसद के रूप में टिकट दिए हैं? मजलिस में कितनी मुस्लिम महिलाएं वास्तविक निर्णय लेने वाले पदों पर हैं? नारे शून्य प्रतिनिधित्व को नहीं छिपा सकते। उन्होंने कहा कि 2018 के (विधानसभा चुनावों) में भारतीय जनता पार्टी ने इस पुराने शहर में एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी के खिलाफ शहजादी सैयद को मैदान में उतारा था।

14.85 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का शिकार हुए बुजुर्ग दंपति ने कहा: पुलिस को नहीं बताना बड़ी गलती

नयी दिल्ली : 'डिजिटल अरेस्ट' की वजह से 14.85 करोड़ रुपये गंवा चुके दिल्ली के रहने वाले बुजुर्ग दपंति ओम तनेजा और उनकी पत्नी को यही मलाल है कि उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। ओम तनेजा (81) और पेशे से डॉक्टर उनकी पत्नी इंदिरा (77) को साइबर ठगों ने दूरसंचार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी बनकर कॉल किया और करीब 15 दिन तक 'डिजिटल अरेस्ट' रखा। दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में रहने वाले बुजुर्ग दंपति ने रविवार को कहा कि पुलिस को अपनी आपबीती न बताना एक गंभीर गलती थी। ओम तनेजा ने 'पीटीआई-भाषा'को बताया, ''साइबर ठगों ने हमें बार-बार गिरफ्तारी और गंभीर परिणामों की धमकी दी।''

वैश्विक स्तर पर भारी अनिश्चितता के बीच, भारत में अभूतपूर्व निश्चितता है : प्रधानमंत्री मोदी

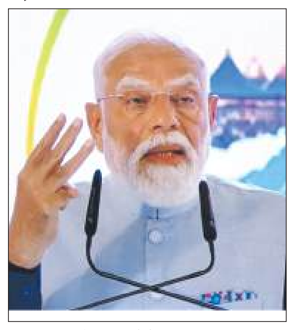

राजकोट : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत वर्तमान में अभूतपूर्व निश्चितता और राजनीतिक स्थिरता के युग का साक्षी है, विशेषकर एक ऐसे समय में जब दुनिया अनिश्चितता का सामना कर रही है। मोदी ने निवेशकों से देश में मौजूद विभिन्न अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। राजकोट शहर में सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र के लिए वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने कहा, वैश्विक स्तर पर व्याप्त भारी अनिश्चितता के बीच, हम भारत में अभूतपूर्व निश्चितता के युग के साक्षी बन रहे हैं। आज भारत में राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। मोदी ने कहा, हाल के वर्षों में भारत ने बहुत तीव्र प्रगति की है, और इसमें गुजरात ने महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई है। भारत तेजी से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, और उभरते आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि भारत से विश्व की अपेक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि नए मध्यम वर्ग का विस्तार और उनकी बढ़ती क्रय शक्ति उन प्रमुख कारकों में से हैं जिन्होंने भारत को अपार संभावनाओं वाला देश बना दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया में सबसे अधिक टीके बनाने वाला देश भारत है। भारत की वृद्धि 'सुधार, प्रदर्शन और रूपांतरण' के मंत्र पर आधारित है। मोदी ने कहा कि आज हर वैश्विक विशेषज्ञ और वैश्विक संस्था भारत को लेकर आशावादी है। उन्होंने कहा कि भारत मोबाइल डेटा का दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बन गया है, और यूपीआई दुनिया का नंबर एक रियल-टाइम डिजिटल लेनदेन मंच बन गया है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में भी भारत शीर्ष तीन देशों में शामिल है, जबकि इसके मेट्रो नेटवर्क दुनिया के शीर्ष तीन नेटवर्कों में से हैं। मोदी ने कहा, इसीलिए मैं बार-बार कहता हूं कि यही समय है, और देश-दुनिया के हर निवेशक के लिए इन अवसरों का लाभ उठाने का यह सही समय है।

ऑल इंडिया सूफी सज्जादा नशीन काउंसिल के सदस्यों ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से की मुलाकात

नयी दिल्ली : ऑल इंडिया सूफी सज्जादा नशीन काउंसिल के सदस्यों ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात करने के बाद रविवार को कहा कि वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों में शांति और राष्ट्रीय एकजुटता की रक्षा करना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि धार्मिक नेताओं समेत अन्य सभी लोगों की भी जिम्मेदारी है। काउंसिल ने एक बयान में कहा कि संगठन मेरा देश, मेरी पहचान अभियान के तहत देश के प्रत्येक राज्य और शहर में राष्ट्रीय एकता और भाईचारे का संदेश फैलाएगा। इसके मुताबिक डोभाल से मुलाकात करने वाले ऑल इंडिया सूफी सज्जादा नशीन काउंसिल के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व काउंसिल प्रमुख और दरगाह अजमेर शरीफ के सज्जादा नशीन के उत्तराधिकारी सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने किया। बयान में कहा गया है कि डोभाल के साथ मुलाकात के दौरान देश में शांति, एकता और समावेशी राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने में सूफी परंपरा की भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई।

अमित शाह ने केरल के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की

तिरुवनंतपुरम : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां स्थित प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उनका यह दौरा तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा के महापौर पद पर जीत हासिल करने के लिए आभार व्यक्त करने के वास्ते था। शाह शनिवार रात एक दिवसीय दौरे पर केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम पहुंचे और उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और जिला अध्यक्ष करमना जायन के साथ आज सुबह मंदिर में दर्शन किए। पारंपरिक धोती और कसवु (रेशमी) शॉल पहने शाह का मंदिर के अधिकारियों और त्रावणकोर शाही परिवार के सदस्य आदित्य वर्मा ने मंदिर में स्वागत किया। दौरे के बाद मंदिर के अधिकारियों ने उन्हें उपहार भेंट किए, जिनमें भगवान श्री पद्मनाभ को समर्पित एक औपचारिक चित्रित धनुष 'ओनाविल्लू' भी शामिल था। केंद्रीय मंत्री के दौरे के दौरान मंदिर और उसके परिसर में प्रतिबंध लगाए गए थे और कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। शाह की सदियों पुराने इस मंदिर की यात्रा 14 जनवरी को होने वाले 'लक्षदीपम' अनुष्ठान से पहले हुई है, जो मंदिर में हर छह साल में एक बार आयोजित होने वाला एक शुभ अनुष्ठान है, जिसके दौरान हजारों तेल के दीपक जलाए जाते हैं।

दिल्ली: यमुना नदी में जहरीले झाग की मोटी परत फिर से जमी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कालिंदी कुंज स्थित घाट पर यमुना नदी में रविवार को जहरीले झाग की मोटी परत फिर से जम गई जिससे नदी के बड़े हिस्से में जल नहीं दिखाई दे रहा था। विशेषज्ञों ने दोहराया कि यह नदी के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हानिकारक है। नदी किनारे पर बंधी नावों के चारों ओर झाग भारी मात्रा में एकत्र हो गया जो नावों से भी चिपका पाया गया। नदी किनारे जमे झाग में धूल के कण भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। झाग के अलावा नदी किनारे कचरा भी बिखरा हुआ था। कचरे में प्लास्टिक सामग्री, बोतलें, फूल, मानव के बाल और यहां तक कि ब्लेड भी शामिल थे। हर रविवार को कालिंदी कुंज घाट पर स्वच्छता अभियान चलाने वाले पर्यावरणविद पंकज कुमार ने दावा किया कि दिसंबर और जनवरी में पानी पिछले साल अक्टूबर में छठ पर्व से पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रदूषित रहा। कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''छठ पर्व के दौरान यमुना नदी की सफाई के लिए सामूहिक रूप से जोरदार प्रयास किए गए थे। यदि सरकार ने इस गति को बनाए रखा होता, तो नदी की स्थिति कुछ ही महीनों में काफी सुधर जाती।'' दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की यमुना के जल की गुणवत्ता पर नवीनतम रिपोर्ट तीन दिसंबर, 2025 को एकत्र किए गए नमूनों के आधार पर आधारित है। इस रिपोर्ट में आईटीओ ब्रिज पर जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) का स्तर 25 मिलीग्राम प्रति लीटर, आईएसबीटी ब्रिज पर 24 मिलीग्राम प्रति लीटर और ओखला बैराज पर 17 मिलीग्राम प्रति लीटर दर्ज की गई है, जबकि डीपीसीसी द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा तीन मिलीग्राम प्रति लीटर है।

आरएसएस समय के साथ विकसित हो रहा है, नए रूप धारण कर रहा है: मोहन भागवत

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है और बस सामने आ रहा है। आरएसएस प्रमुख यहां संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जो आगामी फिल्म 'शतक' के गीत संग्रह के विमोचन के लिए आयोजित किया गया था। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर का वर्णन करती है। इस अवसर पर गायक सुखविंदर सिंह, निर्देशक आशीष मॉल, सह-निर्माता आशीष तिवारी और आरएसएस के पदाधिकारी भैयाजी जोशी उपस्थित थे। भागवत ने अपने संबोधन में कहा, संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि, वास्तव में यह बदल नहीं रहा है; यह बस धीरे-धीरे विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा, जिस प्रकार बीज से अंकुर निकलता है और फल-फूलों से लदा परिपक्व वृक्ष एक अलग रूप धारण कर लेता है, उसी प्रकार ये दोनों रूप भिन्न हैं। फिर भी, वृक्ष मूलतः उसी बीज के समान है जिससे वह उगा है। भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जन्मजात देशभक्त थे और उन्होंने अपना जीवन बचपन से ही राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा, संघ और डॉक्टर साहब (हेडगेवार) पर्यायवाची शब्द हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार महज 11 साल के थे जब उनके माता-पिता की प्लेग से मृत्यु हो गई, लेकिन उन्हें उस उम्र में या बाद में भी संवाद करने या अपने मन की बात कहने के लिए कोई नहीं मिला।

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट तलाशी अभियान शुरू किया गया

जम्मू : खुफिया एजेंसियों को अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट कानाचक क्षेत्र में एक सैटलाइट फोन संचार का पता चलने के बाद सुरक्षा बलों ने रविवार को एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा किए गए संचार का पता थुराया सैटलाइट उपकरण से लगाया गया, जिसके बाद जम्मू - कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सेना द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। जम्मू के बाहरी इलाके में स्थित कानाचक, अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज एक किलोमीटर दूर है, और पहले आतंकवादियों द्वारा सीमा पार से घुसपैठ के मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके को घेर लिया गया है और बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है।

'इंडियन आइडल 3' के विजेता और अभिनेता प्रशांत तमांग का 43 वर्ष की आयु में निधन

नयी दिल्ली : इंडियन आइडल 3 के विजेता और पाताल लोक 2 में नजर आए प्रशांत तमांग का रविवार को हृदयाघात के कारण निधन हो गया। वह 43 वर्ष के थे। तमांग के करीबी दोस्त और गायक महेश सेवा ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि गायक-अभिनेता का निधन जनकपुरी स्थित उनके आवास पर हुआ। उन्होंने कहा, आज सुबह करीब नौ बजे दिल्ली स्थित आवास पर हृदयाघात से तमांग का निधन हो गया। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके असामयिक निधन से मैं स्तब्ध हूं। मैंने कुछ दिन पहले उनसे बात की थी और तब वह बिल्कुल स्वस्थ थे। उन्होंने आगे कहा, उनका शव अब भी अस्पताल में है। परिवार इस बारे में विचार कर रहा है कि अंतिम संस्कार दिल्ली में किया जाए या दार्जिलिंग में। तमांग की मौत की खबर सबसे पहले उनके एक अन्य मित्र राजेश घाटानी ने सोशल मीडिया पर साझा की थी। घाटानी ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर लिखा, यह बेहद दुखद खबर लिखते हुए मेरा दिल भारी हो रहा है!! ईश्वर करे आप बैकुंठ में रहें!! प्रशांत भाई को मेरी श्रद्धांजलि।

अल फलाह विश्वविद्यालय परिसर को पीएमएलए के तहत कुर्क कर सकती है ईडी

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के परिसर को कुर्क कर सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। अल फलाह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय राजधानी में पिछले साल लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट के बाद केंद्रीय एजेंसियों की जांच के घेरे में है। आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ईडी इस बात की जांच कर रही है कि क्या विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए धनराशि कथित तौर पर अपराध से अर्जित आय से हासिल की गई थी। ईडी ने अल फलाह ट्रस्ट की ओर से संचालित शिक्षण संस्थानों के छात्रों के साथ कथित धोखाधड़ी के सिलसिले में अल फलाह समूह के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को पिछले साल नवंबर में धनशोधन के आरोपों में गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी ने दावा किया था कि इन शिक्षण संस्थानों के पास शिक्षण के लिए आवश्यक वैध मान्यता नहीं थी। सूत्रों के मुताबिक, मामले में चिह्नित अपराध से अर्जित आय (पीएमएलए के तहत अवैध धन) के एक हिस्से का इस्तेमाल फरीदाबाद के धौज इलाके में स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय की विभिन्न इमारतों के निर्माण में किए जाने का संदेह है।

व्यक्तिगत हित नए बुनियादी ढांचे का विरोध करने का आधार नहीं: प्रधान न्यायाधीश

गुवाहाटी : भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को असम के कामरूप जिले में नए एकीकृत न्यायिक अदालत परिसर की गुवाहाटी उच्च न्यायालय बार संघ (जीएचसीबीए) के सदस्यों द्वारा विरोध किए जाने पर हैरानी व्यक्त की। सीजेआई ने रविवार को इस परिसर की आधारशिला रखी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नए बुनियादी ढांचे के विकास का विरोध करने के लिए व्यक्तिगत निहित स्वार्थ वैध आधार नहीं होने चाहिए। उत्तरी गुवाहाटी के रंगमहल में इस परिसर की आधारशिला रखने के बाद प्रधान न्यायाधीश ने कहा, एकीकृत न्यायिक अदालत परिसर को भविष्य की आकांक्षाओं के अनुरूप बनाया गया है। इसका निर्माण वर्तमान के लिए नहीं बल्कि आने वाले दशकों के लिए किया जा रहा है। जीएचसीबीए उच्च न्यायालय परिसर के गुवाहाटी शहर के मध्य से ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी किनारे पर स्थानांतरण का विरोध कर रहा है। एसोसिएशन ने चार घंटे की भूख हड़ताल की और रविवार को शिलान्यास समारोह में भाग लेने से परहेज किया। देश की न्यायपालिका के प्रमुख के रूप में, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि वह इस पेशे में आने वालों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बाध्य हैं।

मालीगांव में 70वां जोनल रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह आयोजित

मालीगांव, समाज्ञा : मालीगांव स्थित रंग भवन में 10 जनवरी को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे का 70वां जोनल रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर पू.सी. रेलवे मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्षों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।समारोह में पू.सी. रेलवे के पांचों मंडलों और मुख्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और अनुकरणीय सेवाओं के लिए विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (वीआरएसपी), 2025 से सम्मानित किया गया। कुल 49 अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोफेशनल उत्कृष्टता, संरक्षा, परिचालन दक्षता और यात्री सेवाओं को बेहतर बनाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।पुरस्कार प्राप्त करने वालों में सामान्य प्रशासन, वाणिज्य, चिकित्सा तथा संकेत एवं दूरसंचार विभाग से दो-दो, जबकि कार्मिक, सेफ्टी एंड सिक्योरिटी और भंडारण विभाग से एक-एक कर्मचारी शामिल रहे। इसके अतिरिक्त बिजली और परिचालन विभाग से सात-सात, यांत्रिक विभाग से आठ तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग से सर्वाधिक 15 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।कोचिंग अनुरक्षण एवं सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ कोचिंग डिपो का पुरस्कार कोचिंग डिपो, कामाख्या को प्रदान किया गया।अपने संबोधन में महाप्रबंधक श्री श्रीवास्तव ने पुरस्कार विजेताओं की सराहना करते हुए कहा कि संरक्षा, समयबद्धता और यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए कर्मचारियों का समर्पण सराहनीय है। उन्होंने रेलवे में उत्कृष्टता और कार्यकुशलता को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

ओडिशा में विमान दुर्घटना: दो यात्रियों को मुंबई ले जाया गया, एक वेंटिलेटर पर

भुवनेश्वर : ओडिशा के राउरकेला के पास एक छोटे विमान के आपात स्थिति में उतरते वक्त हुई दुर्घटना में घायल हुए दो यात्रियों को इलाज के लिए हवाई मार्ग से मुंबई ले जाया गया, जबकि एक अन्य घायल व्यक्ति वेंटिलेटर पर है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। ओडिशा के राउरकेला के पास 'इंडिया वन' के नौ सीट वाले विमान के शनिवार दोपहर को आपात स्थिति में उतरने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम छह लोग घायल हो गए। दुर्घटनास्थल पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, ओडिशा सरकार के वाणिज्य एवं परिवहन विभाग की प्रधान सचिव उषा पाधी ने कहा कि दो घायल यात्रियों (दंपति) को उनकी निजी इच्छा पर आज सुबह मुंबई के एक अस्पताल में हवाई मार्ग से भेजा गया है। उन्होंने बताया, ''दोनों यात्रियों का राउरकेला के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। वे आगे के इलाज के लिए मुंबई के अस्पताल जाना चाहते थे। राउरकेला के अस्पताल से अनुमति मिलने के बाद वे मुंबई के लिए रवाना हो गए।''

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के साथ पूर्वोत्तर भारत में आधुनिक रेल यात्रा के नए युग का आगाज

कोलकाता, समाज्ञा : भारत में रेल केवल परिवहन का साधन नहीं रही है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक एकीकरण की सशक्त कड़ी रही है। स्वतंत्रता के बाद से अब तक भारतीय रेल ने देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों को जोड़ते हुए राष्ट्रीय एकता को मजबूती प्रदान की है। इसी निरंतर प्रगति की कड़ी में पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर असम, आज आधुनिक रेल अवसंरचना के एक नए अध्याय का साक्षी बन रहा है।

असम में रेल विकास का नया अध्याय

प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध जैव-विविधता और बहुआयामी सांस्कृतिक विरासत से सुसज्जित असम, जो कभी भौगोलिक चुनौतियों के कारण सीमित संपर्क से जूझता था, अब रेल विकास की दृष्टि से तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में असम में रेलवे परियोजनाओं ने अभूतपूर्व गति पकड़ी है। इसी क्रम में देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का संचालन असम से होना, पूर्वोत्तर भारत में आधुनिक रेल यात्रा के नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार कहे जाने वाला असम आज भारतीय रेल के माध्यम से विकास की नई रफ्तार पकड़ रहा है। वर्ष 2014 के बाद से असम में रेलवे अवसंरचना, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा उपायों और आधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखने को मिली है। भारतीय रेल न केवल राज्य की भौगोलिक चुनौतियों को पार कर रही है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास की मजबूत रीढ़ भी बन रही है।

बजट में ऐतिहासिक बढ़ोतरी से विकास को बल

असम में रेलवे विकास का सबसे बड़ा आधार बजट में हुई उल्लेखनीय वृद्धि है। 2009 से 2014 के बीच जहां रेलवे का वार्षिक औसत बजट लगभग 2,122 करोड़ था, वहीं 2025-26 में यह बढ़कर 10,440 करोड़ हो गया है। लगभग पाँच गुना की यह वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि असम अब रेलवे विकास की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर है। बढ़े हुए निवेश से नई परियोजनाओं को गति मिली और लंबे समय से लंबित कार्य पूरेहो सके।

रेल ट्रैक विस्तार और दोहरीकरण से असम की कनेक्टिविटी को नई मजबूती

पिछले पाँच वर्षों में असम में 416 किलोमीटर नए रेल ट्रैक का निर्माण किया गया है। इसमें 50 किलोमीटर की नई लाइन - बिलासीपाड़ा से न्यू अभयपुरी - शामिल है, जो वर्ष 2021 में पूरी हुई। इसके अतिरिक्त 366 किलोमीटर रेल मार्ग का दोहरीकरण किया गया, जिससे ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ी और परिचालन अधिक सुगम हुआ। वर्तमान में असम का कुल रेलवे नेटवर्क 2,571 रूट किलोमीटर और 4,199 ट्रैक किलोमीटर तक विस्तारित हो चुका है, जो राज्य की कनेक्टिविटी को एक नई मजबूती देता है।

95% विद्युतीकरण: असम की रेल बनी हरित और आधुनिक

असम में रेलवे विद्युतीकरण एक बड़ी उपलब्धि के रूप में उभरा है। राज्य में लगभग 95 प्रतिशत रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। 2,456 रूट किलोमीटर पर बिजली से ट्रेन संचालन शुरू हो चुका है और शेष 116 रूट किलोमीटर पर कार्य अंतिम चरण में है। इसके परिणामस्वरूप डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस और डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस जैसी लंबी दूरी की ट्रेनें अब पूरी तरह इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पर चल रही हैं, जिससे ईंधन की बचत और पर्यावरण संरक्षण दोनों को बढ़ावा मिला है।

अमृत भारत स्टेशन योजना से बदला स्टेशनों का स्वरूप

भारतीय रेल की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत असम के 50 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। मई 2025 में हयबरगाँव स्टेशन असम का पहला अमृत स्टेशन बना। इन स्टेशनों पर आधुनिक फसाड, नए पोर्च, बेहतर प्रतीक्षालय, उन्नत यात्री सुविधाएं और दिव्यांगजन-अनुकूल अवसंरचना विकसित की जा रही है। इससे रेलवे स्टेशन केवल यात्रा के केंद्र नहीं, बल्कि आधुनिक शहरी सुविधाओं के प्रतीक बन रहे हैं।

असम को वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात

गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत असम के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। यह ट्रेन तेज़ गति, आधुनिक कोच और उच्च स्तरीय सुविधाओं के साथ यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करती है। इससे असम और पश्चिम बंगाल के बीच यात्रा समय कम हुआ है और व्यापार व पर्यटन को भी नई ऊर्जा मिली है।

यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 2014 के बाद असम के रेलवे स्टेशनों पर 24 लिफ्ट और 21 एस्केलेटर स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा 218 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ये सभी पहलें विशेष रूप से बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और डिजिटल इंडिया के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए की गई हैं।

रेल विरासत और संस्कृति का संरक्षण

न्यू तिनसुकिया में रेलवे हेरिटेज पार्क और संग्रहालय की स्थापना से असम की रेल विरासत को संरक्षित किया गया है। यह न केवल ऐतिहासिक महत्व रखता है, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा देता है।

नई परियोजनाएँ और भविष्य की योजनाएँ

असम में कई प्रमुख रेल परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं, जिनमें बिलासीपारा-न्यू अभयपुरी नई लाइन और गुवाहाटी-लुमडिंग सहित कई दोहरीकरण खंड शामिल हैं। वहीं लामडिंग-डिब्रूगढ़ दोहरीकरण, नया सरायघाट रेल-सह-सड़क पुल, कामाख्या क्षेत्र में तीसरी रेलवे लाइन और कोकराझार-गेलेफू (भूटान) नई रेल लाइन जैसी परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। ये परियोजनाएँ असम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

सुरक्षा और तकनीक में नवाचार

रेलवे सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 2014 के बाद 28 रोड ओवर ब्रिज और 270 रोड अंडर ब्रिज बनाए गए हैं, जिससे 152 लेवल क्रॉसिंग गेट बंद किए जा सके। हाथियों की सुरक्षा के लिए -ख आधारित इंट्रूज़न डिटेक्शन सिस्टम, अंडरवॉटर रोबोटिक ब्रिज निरीक्षण और ड्रोन आधारित स्टेशन सफाई जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाया गया है।

प्रकृति की गोद में विकास की रफ्तार: असम में प्रगति की नई रेलगाथा

असम में भारतीय रेल का यह परिवर्तन केवल पटरियों और ट्रेनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य के समग्र विकास की कहानी है। बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक सुविधाएं, पर्यावरण-अनुकूल तकनीक और भविष्य उन्मुख परियोजनाएं असम को एक नए युग में ले जा रही हैं। भारतीय रेल आज असम में विकास, विश्वास और भविष्य की उम्मीद की मजबूत धुरी बन चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

मुंबई मैराथन में भाग लेंगे शीर्ष अंतरराष्ट्रीय धावक

मुंबई: पिछले चरण के उप विजेता मेरहावी केसेटे (पुरुष वर्ग) और इथियोपिया की मेडिना डेमे आर्मिनो (महिला वर्ग) सहित एलीट एथलीट 18 जनवरी को होने वाली टाटा मुंबई मैराथन में हिस्सा लेंगे जो विश्व एथलेटिक्स की गोल्ड लेबल की रोड रेस है। यह मुंबई मैराथन का 21वां सत्र है जिसमें पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में पहले तीन स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को क्रमश: 50000, 25000 और 15000 डॉलर की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा जो भी अपने वर्ग में मौजूदा स्पर्धा का रिकॉर्ड तोड़ेगा, उसे 15000 डॉलर दिए जाएंगे। केसेटे पिछले साल बेरहाने टेसफे से पीछे दूसरे स्थान पर रहे थे। वह इस साल प्रबल दावेदारों में शुमार होंगे। उनके अलावा युगांडा से 2023 विश्व चैंपियन विक्टर किपलांगाट, दक्षिण अफ्रीका के स्टीफन मोकोका और इथियोपिया के बाजेज्यू अस्मारे और टाडू अबाटे डेमे भी इसमें हिस्सा लेंगे।

डिवाइन के ऑलराउंड प्रदर्शन से गुजरात जाइंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया

नवी मुंबई: सलामी बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने तूफानी अर्धशतक जड़ने के बाद अंतिम ओवर में धारदार गेंदबाजी करके गुजरात जाइंट्स को महिला प्रीमियर लीग में रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स पर चार रन की रोमांचक जीत दिलाई। गुजरात की यह दो मैच में दूसरी जीत है जबकि दिल्ली को दो मैच में दूसरी हार का सामना करना पड़ा। गुजरात के 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम सलामी बल्लेबाज लिजेल ली (86 रन, 54 गेंद, 12 चौके, तीन छक्के) और लॉरा वोलवार्ट (77 रन, 38 गेंद, नौ चौके, तीन छक्के) के अर्धशतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट की 90 रन की साझेदारी के बावजूद पांच विकेट पर 205 रन ही बना सकी। दिल्ली को अंतिम ओवर में जीत के लिए सिर्फ सात रन की जरूरत थी जबकि उसके सात विकेट शेष थे लेकिन डिवाइन ने वोलवार्ट और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (15) को आउट करके अपनी टीम को जीत दिला दी।

कोहली और गिल के अर्धशतक, भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया

सभी प्रारूपों में सबसे तेज 28 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने कोहली

वडोदरा: भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूप में सबसे तेजी से 28 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले के दौरान सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अपनी 624वीं पारी खेलते हुए कोहली ने न्यूजीलैंड के लेग स्पिनर आदित्य अशोक पर चौका लगाकर यह मुकाम हासिल किया। तेंदुलकर ने यह मुकाम अपनी 644वीं पारी में हासिल किया था जबकि 28000 रन बनाने वाले क्लब में तीसरे खिलाड़ी श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा ने यह उपलब्धि अपनी 666वीं पारी में हासिल की थी। सैंतीस साल के कोहली ने इस मैच से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूप में 27,975 रन बनाए थे। तेंदुलकर ने 782 पारियों में कुल 34357 रन बनाए हैं जबकि संगकारा के नाम 666 पारियों में 28,016 रन दर्ज हैं। फरवरी 2023 में कोहली सबसे तेजी से 25 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने यह उपलब्धि 549 पारियों में हासिल किया की थी जो तेंदुलकर से 28 पारियां कम थीं। कोहली ने अक्टूबर 2023 में सबसे तेजी से 26 हजार रन पूरे किए जबकि एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्होंने अपनी 594वीं पारी में 27 हजार रन पूरे किए।

वड़ोदरा: विराट कोहली और कप्तान शुभमन गिल की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने रविवार को यहां खेले गए पहले एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी ओवर में रोमांचक जीत दर्ज की।टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टीम ने डेरिल मिचेल (84), हेनरी निकोल्स (62) और डेवोन कॉनवे (56) के अर्धशतकों की मदद से आठ विकेट पर 300 रन बनाए। भारत की ओर से तेज गेंदबाज हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट झटके जबकि कुलदीप यादव को एक सफलता मिली।जवाब में भारत की शुरुआत धीमी रही, लेकिन पहले विकेट के बाद क्रीज पर आए विराट कोहली और शुभमन गिल ने दूसरे विकेट के लिए 118 रन की अहम साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। कोहली ने 93 रन की सधी हुई पारी खेली, जबकि गिल ने 56 रन का योगदान दिया। श्रेयस अय्यर ने भी 49 रन बनाकर मध्यक्रम को संभाला।कोहली इस दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारूपों में सबसे तेजी से 28 हजार रन पूरे करने वाले खिलाड़ी बने। हालांकि वह शतक से चूक गए और काइल जैमीसन की गेंद पर आउट हुए। जैमीसन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए।अंतिम ओवरों में मैच रोमांचक हो गया, लेकिन केएल राहुल ने संयम दिखाते हुए नाबाद 29 रन बनाए। उन्होंने अंतिम ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। हर्षित राणा ने भी उपयोगी 29 रन जोड़े।इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में बढ़त बना ली, जबकि न्यूजीलैंड को खराब क्षेत्ररक्षण का खामियाजा भुगतना पड़ा।

यूपी वॉरियर्स के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी आरसीबी

नवी मुंबई: मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में कड़ी परीक्षा से गुजरने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) सोमवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में सितारों से सजी यूपी वॉरियर्स के खिलाफ अपनी लय जारी रखने की कोशिश करेगी। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली साल 2024 की चैंपियन टीम ने शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुश्किल स्थिति से उबरते हुए तीन विकेट की जीत दर्ज की। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला खिलाड़ी नादिन डि क्लर्क ने आखिरी चार गेंदों पर दो चौके और दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। आरसीबी की जीत ने मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी स्तब्ध कर दिया था। मंधाना और आरसीबी के लिए वह पल बेहद खास था और टीम डि क्लर्क (नाबाद 63 रन बनाए और चार विकेट) से यूपी वॉरियर्स के खिलाफ भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी। पिछले मैच में डि क्लर्क के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने निराश किया था ऐसे में मंधाना चाहेंगी कि वह और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रन बनाने में योगदान दें।

कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से जल्दी संन्यास लिया, उनमें 2027 विश्व कप तक खेलने की भूख है: डोनाल्ड

केपटाउन: दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड ने माना कि विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से थोड़ी जल्दी संन्यास लिया लेकिन भारतीय स्टार बल्लेबाज में इतनी भूख और जुनून है कि वह 2027 के वनडे विश्व कप तक खुद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बनाए रखेंगे। डोनाल्ड ने आईपीएल के 2014-15 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का गेंदबाजी कोच रहते हुए कोहली के साथ काम किया है। उन्होंने कोहली की वर्क इथिक्स (फिटनेस और खेन के लिए कड़ा अभ्यास) पर जोर देते हुए कहा, 'आप जानते हैं, मैंने फिटनेस और खेल को लेकर जज्बे के मामले में किसी खिलाड़ी में विराट जीतनी भूख नहीं देखी। मेरे मन में उनके लिए बेहद सम्मान है। मैं अक्सर ड्रेसिंग रूम में इस बारे में बात करता हूं कि वह खुद को फिट रखने के मामले में चैंपियन है। कोई भी उनके जितना मेहनत नहीं करता। वह किसी मशीन की तरह है। उन्होंने कहा, 'मुझे वास्तव में उन्हें टेस्ट मैचों में उनकी कमी महसूस होती है। मुझे लगता है उन्होंने थोड़ा जल्दी संन्यास लिया, लेकिन मुझे कोई संदेह नहीं कि हम उन्हें सीमित ओवर प्रारूप के क्रिकेट और विश्व कप में खेलते हुए देखेंगे। डोनाल्ड ने यह भी कहा कि आगामी टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका ने एक संतुलित और मजबूत टीम चुनी है। सात फरवरी से शुरू होने वाले विश्व कप को भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से मेजबानी करेंगे। उन्होंने कहा, 'भारत में यह टूर्नामेंट काफी रोमांचक होने वाला है, है ना? दक्षिण अफ्रीका ने एक बहुत मजबूत टीम चुनी है। हमेशा सवाल उठते रहते हैं कि कौन नहीं गया और कौन जाना चाहिए था। मुझे लगता है कि भारत में दुनिया के सबसे अच्छे टी20 विकेट हैं। किसी भी गेंदबाज के लिए वहां खेलना बेहद कठिन है। मैंने आईपीएल में भी देखा है कि पावर प्ले में 124 रन बनना कितना चुनौतीपूर्ण होता है। यह बल्लेबाजी की कला का ही कमाल है।' इस पूर्व महान गेंदबाज ने कहा, 'अगर आप सोच समझकर गेंदबाजी करे तो मैच में आपका पलड़ा भारी रहेगा। मुझे उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका फाइनल तक पहुंचेगी। यह 59 साल का खिलाड़ी एसए20 लीग की पिछली चार सत्रों में हुई प्रगति देखकर बहुत प्रसन्न हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में यह लीग और विकसित होगी।

ध्रुव जुरेल ने चोटिल ऋषभ पंत की जगह भारतीय वनडे टीम में ली जगह

वडोदरा: ध्रुव जुरेल को रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने चोटिल ऋषभ पंत की जगह ली है। विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार लय में चल रहे जुरेल रविवार से शुरू हो रही श्रृंखला के लिए टीम से जुड़ चुके हैं। ऋषभ पंत को शनिवार को नेट सत्र में बल्लेबाजी अभ्यास के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। बीसीसीआई ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा, 'विकेटकीपर ऋषभ पंत को शनिवार दोपहर वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में भारतीय टीम के अभ्यास सत्र के दौरान बल्लेबाजी करते समय पेट की दाईं ओर मांसपेशियों में अचानक दर्द महसूस हुआ।' बीसीसीआई के अनुसार, 'पंत को तुरंत एमआरआई स्कैन के लिए ले जाया गया। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने विशेषज्ञों के साथ उनकी क्लीनिक और रेडियोलॉजिकल रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा की। जांच में पंत को साइड स्ट्रेन (ऑब्लिक मसल टियर) पाया गया है, जिसके चलते उन्हें वनडे श्रृंखला से बाहर होना पड़ा है।'

वेस्ली सो ने टाटा स्टील शतरंज इंडिया ब्लिट्ज ओपन का खिताब जीता

कोलकाता: अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक दौर का खेल शेष रहते टाटा स्टील शतरंज इंडिया ब्लिट्ज ओपन का ओपन वर्ग का खिताब जीत लिया जबकि रविवार को यहां भारत के निहाल सरीन उप विजेता रहे। महिला वर्ग में अमेरिका की कारिसा यिप ने रोमांचक प्ले ऑफ में खिताब जीता। भारत की वंतिका अग्रवाल उप विजेता रहीं। ओपन वर्ग में वेस्ली सो ने 12 अंक के साथ खिताब अपने नाम किया जबकि सरीन के नाम 11 अंक रहे। भारत के ही अर्जुन एरिगेसी 11 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वेस्ली सो ने भारत के विदित गुजराती को हराया। वेई यी ने भारत के दिग्गज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को शिकस्त दी जो आठ अंक के साथ आठवें स्थान पर रहे। भारत के आर प्रज्ञानानंदा ने हेन्स नीमैन को हराया। सरीन ने भी अहम मुकाबले में आनंद को हराया जबकि वेस्ली सो ने वेई यी को बराबरी पर रोका। एरिगेसी ने भी आनंद को शिकस्त दी जबकि वेस्ली सो ने अरविंद चिदंबरम के खिलाफ मुश्किल में घिरे होने के बावजूद ड्रॉ के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी।

।। कपिल मुनि की जय।।   ।। श्री गणेशाय नमः।।   ।। ॐ नमः शिवाय।।

श्री शिव शक्ति सेवा ट्रस्ट

श्री अशोक जी, श्री प्रदीप जी तोदी द्वारा अपनी माताजी स्व. शकुंतला देवी जी की पुण्य स्मृति में प्रदत्त प्रारंभिक राशि से गंगा सागर रोड नंबर 5 पर भवन निर्माण का कार्य प्रगति पर

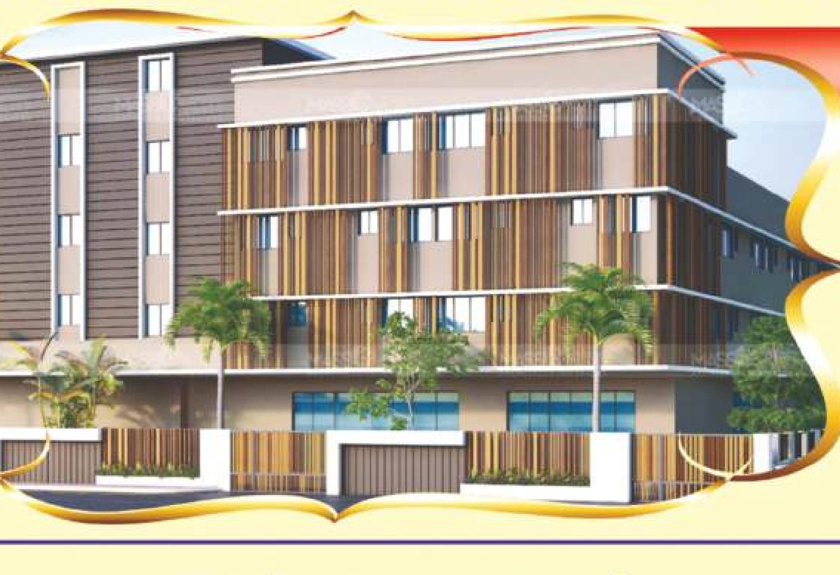

सुविधाएं

- तीर्थ यात्रियों की सेवा • शुद्ध शाकाहारी भोजन • कार पार्किंग
- बाथरूम अटैच रूम • एलईडी टीवी • 24 घंटे गर्म पानी
- ऑनलाइन बुकिंग • मेले में भुले विसरे यात्रियों को घर पहुँचाने की सुविधा • वैवाहिक कार्यक्रम • भजन, अमृत वर्षा और श्रीमद् भागवत कथा जैसे आयोजनों के लिए 20000 स्क्वायर फीट हॉल उपलब्ध

गंगासागर मेला 2026
11 से 15 जनवरी, 2026 तक
रोड नं 5,
इस्कॉन मंदिर के समीप

:: निवेदक ::

रमेश कुमार सोन्थलिया	विश्वनाथ सुरेका	सुशील कुमार चौधरी	महेश कुमार अग्रवाल सुतापटी	प्रवीण खेमका	महेश कुमार अग्रवाल (आधुनिक इस्पात)	राजीव कानोडिया
अध्यक्ष	चेयरमैन प्रोजेक्ट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष	महासचिव	उपाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	मेला चेयरमैन	सह-चेयरमैन

:: ट्रस्टी सदस्य ::

अशोक तोदी, प्रदीप तोदी, रमेश सोन्थलिया, विश्वनाथ सुरेका, महेश कुमार अग्रवाल (आधुनिक इस्पात), महेश कुमार अग्रवाल, राजीव कानोडिया, सुशील कुमार चौधरी, नारायण अग्रवाल (परसरामपुरिया), पवन माधोगढ़िया, कृष्ण कुमार अग्रवाल (डोरा), बनवारीलाल चौधरी, विनोद सराफ, अरूण कुमार सुरेका, सुभाष कुमार सोन्थलिया, संजय सुरेका (रोड विंग्स), नवीन अग्रवाल, राजेश कुमार सोन्थलिया, नारायण प्रसाद सरावगी, प्रवीण खेमका, विशाल सुरेका

मेला संयोजकः सुशील कुमार चौधरी ।। मेला व्यवस्थापकः महेन्द्र कुमार अग्रवाल

अनुरोधः समाज हित में उदार मन से सहयोग करें। सोसाइटी एक्ट 80th और CSR के अंतर्गत आयकर में छूट का लाभ।

बैंक डिटेलः SHREE SHIV SHAKTI SEVA TRUST • BANDHAN BANK • A/C. NO: 50220018222733 • IFSC: BDBL0001295

विशेष जानकारी हेतु संपर्क करें : 98315 97755 | 89458 35271 | E-mail: shreeshivshaktiseva@gmail.com

वर्ष 10, पूर्णांक 3471 अंक 281, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित। सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in